CENTRAL UNIVERSITY OF KARNATAKA

KALABURAGI

SCHOOL OF HUMANITIES AND LANGUAGES

CENTRAL UNIVERSITY OF KARNATAKA

COURSE STRUCTURE AND SYLLABUS

M.A All Semester -2022 Batch

Department of Hindi

Learning Outcomes-based Curriculum Framework

(Effective from the academic year 2020 –21)

Department of Hindi

SCHOOL OF HUMANITIES AND LANGUAGES

Central University of Karnataka

Kalaburagi – 585367

ANNEXURE – III

DEPARTMENT OF HINDI
CENTRAL UNIVERSITY OF KARNATAKA :: KALABURAGI
Structure of M. A. Hindi under CBCS Scheme of credit allocation

Sl. No.	Paper	Semester-I			Semester-II			Semester-III			Semester-IV			
		Total Credit	L	T	Total Credit	L	T	Total Credit	L	T	Total Credit	L	T	P
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
I	PHNTC10001	4	3	1										
	PHNTC10002	4	3	1										
	PHNTC10003	4	3	1										
	PHNTC10004	4	3	1										
	PHNTG10301 Internal Elective (Generic)- Open (Students from other department can opt)	3	2	1										
	PHNTG10302 Foundation: a) Compulsory (Language)	2	1	1										
	PHNTA10101 b) Elective (Man Making)	1	1	-										
	Total :	**22**												
II	PHNTC20005	4			4	3	1							
	PHNTC20006	4			4	3	1							
	PHNTC20007	4			4	3	1							
	PHNTC20008	4			4	3	1							
	PHNTG20303 Internal Elective (Generic)-	3			3	2	1							

	Open (Students from other department can opt)										
	PHNTG20304 Foundation:a) Compulsory (Language)	2	2	1	1						
	PHNTA20102 b) Elective (Man Making)	1	1	1	-						
	Total :	**22**	**22**								
III	PHNTC30009	4				4	3	1			
	PHNTC30010	4				4	3	1			
	PHNTC30011	4				4	3	1			
	PHNTC30012	4				4	3	1			
	PHNTD30201/2 Discipline	3				3	2	1			
	PHNTA30103 Foundation: Compulsory (Language)	2				2	1	-			
	Total :	**21**				**21**					
IV	PHNTC40013	4							4	3	1 -
	PHNTC40014	4							4	3	1 -
	PHNTC40015	4							4	3	1 -
	PHITD40203/4/5 Discipline	3							3	2	1 -
	PHNTC40016 Dissertation	6							6	4	2 -
	Total :	**21**							**21**		
	Grand Total :	**86**									

DEPARTMENT OF HINDI

CENTRAL UNIVERSITY OF KARNATAKA :: KALABURAGI

Structure of M. A. Hindi under CBCS Scheme of credit allocation

प्रथम सत्र					
PAPER	TOTAL CREDIT	L	T	TITLE OF THE PAPER	Exam Pattern Marks/Duration
1	2	3	4	5	6
PHNTC10001	4	3	1	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल) History of Hindi Literature (Aadikaal to Ritikaal)	$T1+T_2+T_{3+}T4=100$ 20+10+10+60 = 100 T_1 (Internal test) =20 marks T_2 (Seminar) = 10 marks T3(Term paper)=10 T_4(Semester End Exam) = 60 marks (of 2.30hrs duration)
PHNTC10002	4	3	1	सामान्य भाषा विज्ञान General Linguistics	
PHNTC10003	4	3	1	प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य Ancient and Medieval Hindi Poetry	
PHNTC10004	4	3	1	अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग Translation : Theory & Practice	
PHNTG10301/ PHNTG10302 Elective (Generic)- Open (Students from other department can opt)	3	2	1	EG1.1. समकालीन हिंदी गद्य साहित्य/ Contemporary Hindi Prose/ EG1.2. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता Functional Hindi and journalism	
Foundation: a) Compulsory (Language)	2	1	1	FC1.1. अंग्रेजी भाषा - 1	
b) Elective (Man Making)	1	1	-	FE1.1. कंप्यूटर हिंदी - 1	
Total :	22				

द्वितीय सत्र					
PAPER	TOTAL CREDIT	L	T	TITLE OF THE PAPER	Exam Pattern Marks/Duration
1	2	3	4	5	6
PHNTC20005	4	3	1	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) History of Hindi Literature (aadhunik kall)	

PHNTC20006	4	3	1	हिन्दी भाषा का इतिहास और संरचना History of Hindi Literature and Structure	$T1+T_2+T_{3+}T4=100$ 20+10+10+60 = 100 T_1 (Internal test) =20 marks T_2 (Seminar) = 10 marks T3(Term paper)=10 T_4(Semester End Exam) = 60 marks (of 2.30hrs duration)
PHNTC20007	4	3	1	आधुनिक हिन्दी काव्य Modern Hindi Poetry	
PHNTC20008	4	3	1	भारतीय काव्य सिद्धांत Indian Poetics Theory	
PHNTG10301/ PHNTG10302 Elective (Generic)- Open (Students from other department can opt)	3	2	1	EG1.1. समकालीन हिंदी गद्य साहित्य/ Contemporary Hindi Prose/ EG1.2. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता Functional Hindi and journalism	
PHNTA20102 Foundation: a) Compulsory (Language)	2	1	1	FC1.1. अंग्रेजी भाषा - 1 English language	
b) Elective (Man Making)	1	1	-	FE1.1. कंप्यूटर हिंदी - 1 Computer Hindi	
Total :	**22**				

तृतीय सत्र

PAPER	TOTAL CREDIT	L	T	TITLE OF THE PAPER	Exam Pattern Marks/Duration
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**
PHNTC30009	4	3	1	पाश्चात्य काव्यसिद्धांत Western Poetics Theory	$T1+T_2+T_{3+}T4=100$ 20+10+10+60 = 100 T_1 (Internal test) =20 marks T_2 (Seminar) = 10 marks T3(Term paper)=10 T_4(Semester End Exam) = 60 marks (of 2.30hrs duration)
PHNTC30010	4	3	1	हिन्दी कथा साहित्य Hindi story literature	
PHNTC30011	4	3	1	हिन्दी साहित्य के विविध विमर्श Various discourses in Hindi literature	
PHNTC30012	4	3	1	हिन्दी नाटक एवं रंगमंच Hindi Drama and Theater	
PHNTD30201/ PHNTD30202 Elective (Generic)- Open (Students from other department can opt)	3	2	1	EG1.1. हिन्दी सिनेमा और साहित्य / Hindi Cinema and literature/ EG1.2. प्रयोजनमूलक हिंदी Functional Hindi	
Foundation: a) Compulsory (Language)	2	1	1	FC1.1. शोध प्रविधि Research methodology	
b) Elective (Man Making)					
Total :	**21**				

चतुर्थ सत्र

PAPER	TOTAL CREDIT	L	T	TITLE OF THE PAPER	Exam Pattern Marks/Duration
1	2	3	4	5	6
PHNTC40013	4	3	1	हिन्दी मीडिया और पत्रकारिता Hindi media and journalism	
PHNTC40014	4	3	1	भारतीय और विश्व साहित्य Indian and world literature	
PHNTC40015	4	3	1	हिन्दी का कथेतर साहित्य Non-Fiction literature of Hindi	$T1+T_2+T_3+T4=100$ 20+10+10+60 = 100 T_1 (Internal test) =20 marks T_2 (Seminar) = 10 marks T3(Term paper)=10 T_4(Semester End Exam) = 60 marks (of 2.30hrs duration)
PHITD40203/ PHITD40204 Elective (Generic)- Open (Students from other department can opt)	3	2	1	EG1.1. हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श / Stree vimarsh in Hindi literature/ EG1.2. हिंदी साहित्य में दलित विमर्श Dalit vimarsh in Hindi literature	
PHNTC40016 Foundation: a) Compulsory	6	1	1	FC1.1. डिजर्टेशन Dissertation	
Total :	21				
Grand Total :	86				

Annexure-I

कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय

5thBOS(2021)

हिंदी एम.ए. पाठ्यक्रम

2021-2022 से प्रभावी

Sl.no	Code	Total Credit	Title of paper
		प्रथम सत्र	
1	PHNTC10001	4	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और मध्यकाल)
2	PHNTC10002	4	सामान्य भाषा विज्ञान
3	PHNTC10003	4	प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य
4	PHNTC10004	4	अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग
5	PHNTG10301	3	समकालीन हिन्दी गद्य
6	PHNTG10302		प्रयोजनमूलक हिन्दी और पत्रकारिता
7	PHNTA10101	3	हिन्दी व्याकरण और व्यवहार
	TOTAL	**22**	
		द्वितीय सत्र	
7	PHNTC20005	4	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
8	PHNTC20006	4	हिन्दी भाषा का इतिहास और संरचना
9	PHNTC20007	4	आधुनिक हिन्दी काव्य
10	PHNTC20008	4	भारतीय काव्य सिद्धांत
11	PHNTG20303	3	समकालीन हिन्दी काव्य
12	PHNTG20304		हिन्दी सिनेमा,साहित्य और समाज
13	PHNTA20102	3	हिन्दी और कंप्यूटर
	TOTAL	**22**	

		तृतीय सत्र	
13	PHNTC30009	4	पाश्चात्य काव्यसिद्धांत
14	PHNTC30010	4	हिन्दी कथा साहित्य
15	PHNTC30011	4	हिन्दी साहित्य के विविध विमर्श
16	PHNTC30012	4	हिन्दी नाटक एवं रंगमंच
17	PHNTA30103	2	शोध प्रविधि
18	PHNTD30201	3	हिन्दी सिनेमा और साहित्य
19	PHNTD30202		प्रयोजनमूलक हिन्दी
	TOTAL	**21**	
		चतुर्थ सत्र	
20	PHNTC40013	4	हिन्दी मीडिया और पत्रकारिता
21	PHNTC40014	4	भारतीय और विश्व साहित्य
22	PHNTC40015	4	हिन्दी का कथेतर साहित्य
23	PHNTC40016	6	डिजर्टेशन
24	PHITD40203	3	हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श
25	PHNTD40204		हिंदी साहित्य में दलित विमर्श
26	PHNTD40205		हिंदी साहित्य में वृद्ध विमर्श
	TOTAL	21	
	GRAND TOTAL	**86**	

कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय

5thBOS(2021)

यू. जी. इलेक्टिव पाठ्यक्रम 2021-2022 से प्रभावी

SL.No	Code	Total Credit	Title of paper
			प्रथम सत्र
1	UHNTGE10301	6	हिंदी भाषा और साहित्य का परिचय
			द्वितीय सत्र
2	UHNTGE20302	6	हिंदी कविता और गद्य के विविध रूप
			तृतीय सत्र
3	UHNTGE30303	6	हिंदी गद्य के विविध रूप
	TOTAL	**18**	

कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय

U.G पाठ्यक्रम 2021-22 (LANG HIN.-हिंदी भाषा)

SL.NO	Title of the Paper	Total Credit
		प्रथम सत्र
1	UHNTAE10101	2
		द्वितीय सत्र
2	UHNTAE20102	2
	TOTAL	4
3	**BTHIN1.1 बी टेक IIIrd Sem**	2

कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय

पीएच.डी हिंदी पाठ्यक्रम 2021-22

SL.NO	Code	Total credit	Title of the Paper
1.	**DHNTC10001**	4	अनुसंधान की प्रविधि
2.	**DHNTC10002**	4	साहित्य अध्ययन की आलोचनात्मक दृष्टियाँ -1
3.	**DHNTC10003**	4	साहित्य अध्ययन की आलोचनात्मक दृष्टियाँ -2
		TOTAL	12

Annexure-II

कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय

5thBOS(2021) हिंदी एम.ए. पाठ्यक्रम 2021-2022 से प्रभावी

Sl.no	Code	Total Credit	Title of paper
		प्रथम सत्र	
1	PHNTC10001	4	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और मध्यकाल)
2	PHNTC10002	4	सामान्य भाषा विज्ञान
3	PHNTC10003	4	प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य
4	PHNTC10004	4	अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग
5	PHNTG10301	3	समकालीन हिन्दी गद्य
6	PHNTG10302		प्रयोजनमूलक हिन्दी और पत्रकारिता
7	PHNTA10101	3	हिन्दी व्याकरण और व्यवहार

PHNTC10001 हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और मध्यकाल)

इकाई: 04

क्रेडिट: 04

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक – 100

- **आंतरिक मूल्यांकन अंक 40 (संगोष्ठी/शैक्षिकी/आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगी ।)**
- **सत्रांत परीक्षा अंक 60**

Prerequisite Course/Knowledge

1. **हिंदी साहित्य के इतिहास की आधारभूत जानकारी, हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन,प्रतिनिधि कवियों एवं रचनाओं आदि की जानकारी|**

Course Learning Outcome (CLOS)

2. **इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा–**

CLO-1. हिंदी साहित्य के इतिहास को स्पष्ट रूप से परिभाषित कर सकेगा।

CLO-2. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा को चिह्नित कर सकेगा।

CLO-3. हिंदी साहित्य के इतिहास के विभिन्न कालखंडों की विवेचना कर सकेगा।

CLO-4. हिंदी साहित्य की प्राचीन एवं मध्यकालीन प्रवृतियों को पहचान सकेगा ।

CLO-5. प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्य के सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, दार्शनिक, साहित्यिक परिस्थितियों और सन्दर्भों का निरीक्षण कर सकेगा ।

इकाई – 1

- **हिंदी साहित्य का इतिहास :** साहित्य के इतिहास की अवधारणा, हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन एवं नामकरण की समस्या।
- **हिंदी साहित्य का आरंभ :** उदय की पृष्ठभूमि, पूर्ववर्ती साहित्यिक परंपराएँ – आदिकालीन हिंदी का जैन, सिद्ध, नाथ, रासोकाव्य एवं अन्य साहित्यिक सामग्री।
- आदिकालीन काव्य की विशेषताएँ : धार्मिकता, वीरगाथात्मकता, श्रृंगारिकता व भाषा, छंद, कथानक व रूढ़ियाँ, काव्य रूप, शैलियाँ आदि।

इकाई –2

- मध्यकालीन परिवेश और भक्तिकालीन आंदोलन के सामाजिक-सांस्कृतिक कारण
- भक्तिकाल का सामाजिक-सांस्कृतिक पक्ष।
- भक्ति आंदोलन का दर्शन एवं सगुण-निर्गुण की अवधारणा और दार्शनिक पृष्ठभूमि

इकाई –3

- निर्गुण भक्ति साहित्य :
    - संत काव्य – दार्शनिक पृष्ठभूमि की विशेषताएँ और प्रतिनिधि कवि
    - सूफी काव्य - दार्शनिक पृष्ठभूमि की विशेषताएँ और प्रतिनिधि कवि
- सगुण भक्ति साहित्य
    - राम भक्तिकाव्य साहित्य– दार्शनिक पृष्ठभूमि की विशेषताएँ और प्रतिनिधि कवि
    - कृष्ण भक्तिकाव्य साहित्य - दार्शनिक पृष्ठभूमि की विशेषताएँ और प्रतिनिधि कवि

इकाई – 4

- रीतिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि
- रीति की अवधारणा
- रीतिबद्ध, रीतिमुक्त और रीतिसिद्ध काव्य
- रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ एवं प्रतिनिधि कवि

सहायक ग्रंथ

1. रामचंद्र शुक्ल — हिंदी साहित्य का इतिहास, काशी नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी -1969
2. रामस्वरूप चतुर्वेदी — हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोक भारती, इलाहाबाद – 1986
3. बच्चन सिंह — हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली – 1996
4. हजारी प्रसाद द्विवेदी — हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली – 1986
5. हजारी प्रसाद द्विवेदी — हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली - 1988
6. हजारी प्रसाद द्विवेदी — हिंदी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
7. नगेंद्र (सं) — हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर प्रकाशन, दिल्ली – 2010

PHNTC10002 सामान्य भाषा विज्ञान

इकाई : 04

क्रेडिट : 04

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक -100

आंतरिक मूल्यांकन अंक- 40 (संगोष्ठी/शैक्षिकी/आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगी|)

संत्रात परीक्षा अंक – 60

Prerequisite Course/Knowledge

1.सामान्य भाषा विज्ञान की आधारभूत जानकारी, भाषा विज्ञान की विभिन्न शाखाओं, भाषा, बोली तथा भाषा के विविध रुपों की परिचयात्मक जानकारी।

Course Learning Outcome (CLOS)

2. इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में दक्ष होगा–

CLO-1. भाषा व भाषा विज्ञान की आधारभूत संकल्पनाओं को परिभाषित कर सकेगा।

CLO-2. भाषा विज्ञान के इतिहास लेखन की परम्परा को चिह्नित कर सकेगा।

CLO-3. भाषा विज्ञान के विविध रूपों को विवेचित कर सकेगा।

CLO-4. अर्थ परिवर्तनों के कारणों और दिशाओं को पहचान सकेगा ।

CLO-5. स्वन, स्वनिम, रुपिम, व्याकरणिक कोटियाँ, वाक्य विश्लेषण की पद्धतियों का निरीक्षण कर सकेगा।

इकाई – 1

- भाषा का अर्थ और परिभाषा
- भाषा के अभिलक्षण
- भाषा के विविध रूप
- भाषा और बोली में अंतर
- भाषाविज्ञान की परिभाषा एवं क्षेत्र
- भाषा विज्ञान के विविध रूप –
    - एककालिक
    - कालक्रमिक
    - तुलनात्मक

- व्यतिरेकी
- अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान

- भाषा विज्ञान का इतिहास (संक्षिप्त परिचय)

इकाई –2

- अर्थ विज्ञान -
  - अर्थ की अवधारणा
  - शब्द और अर्थ का संबंध
  - अर्थ पर्यायता
  - विलोमता
  - अनेकार्थकता
  - अर्थ परिवर्तन - कारण और दिशाएँ
- स्वन विज्ञान शाखाएँ –
  - सांवहनिक ध्वनि विज्ञान
  - श्रावणिक ध्वनि विज्ञान
  - औच्चारणिक ध्वनि विज्ञान – वागेंद्र और उच्चारण प्रक्रिया
  - ध्वनियों का वर्गीकरण
  - स्वन, स्वनिम और संस्वन
  - स्वनिम विश्लेषण के सिद्धांत

इकाई –3

- **शब्द और रूप विज्ञान** –
  - रूप, रूपिम और संरूप
  - रूपिम निर्धारण के सिद्धांत
  - रूपिम के प्रकार
  - शब्द वर्ग और व्याकरणिक कोटियाँ

इकाई – 4

- **वाक्य विज्ञान और प्रोक्ति विज्ञान** –
  - वाक्य विज्ञान –
  - अर्थ और परिभाषा
  - वाक्य के प्रकार
  - वाक्य विश्लेषण की पद्धतियाँ

- **प्रोक्ति -** अर्थ और स्वरूप

सहायक ग्रंथ :

1. भोलानाथ तिवारी — भाषा विज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद
2. बाबूराम सक्सेना — सामान्य भाषा विज्ञान,हिंदी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद
3. देवेंद्रनाथ शर्मा — भाषाविज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव — अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. राजमणि शर्मा — आधुनिक भाषाविज्ञान, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

PHNTC 10003 प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य

इकाई : 04

क्रेडिट : 04

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक – 100

- **आंतरिक मूल्यांकन अंक - 40 (संगोष्ठी / शैक्षिकी / आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगीं।)**
- **सत्रांत परीक्षा अंक - 60**

Prerequisite Course/Knowledge

1. **प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य आधारभूत जानकारी, प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य की विशेषता, प्रतिनिधि कवि और उनकी रचनाओं की जानकारी**

Course Learning Outcome (CLOS)

2. **इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा –**

CLO-1. प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य को स्पष्ट रूप से परिभाषित कर सकेगा।

CLO-2.प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य की प्रवृतियों की पहचान कर सकेगा।

CLO-3.प्राचीन एवं मध्यकालीन कालखंड में लिखित काव्य की विशेषताओं को विवेचित कर सकेगा।

CLO-4. प्राचीन एवं मध्यकालीन कवियों के वैचारिक दर्शन को चिह्नित कर सकेगा।

CLO-5. प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य के साहित्य की सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, दार्शनिक, साहित्यिक परिस्थितियों और सन्दर्भों का निरीक्षणकर सकेगा।

इकाई – 1

- पृथ्वीराज रासो : संपादक : हजारी प्रसाद द्विवेदी
  - ➢ अध्ययन के लिए कयमास वध समय निर्धारित है

इकाई – 2

- कबीर वाणी : संपादक: डॉ. श्यामसुन्दर दास
  - ➢ अध्ययन के लिए 10 सखियाँ और 10पद निर्धारित है

- पद्मावत : संपादक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
    - अध्ययन के लिए नागमति वियोग खंड निर्धारित है

इकाई – 3

- भ्रमरगीत सार : संपादक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
    - अध्ययन के लिए आरंभिक 10 पद निर्धारित है
- रामचरित : मानस गोस्वामी : तुलसीदास गीता प्रेस गोरखपुर
    - अध्ययन के लिए सुंदर कांड निर्धारित है

इकाई – 4

- बिहारी रत्नाकर : संपादक : जगन्नाथदास रत्नाकर
    - अध्ययन के लिए आरंभिक 10 दोहे निर्धारित है I
- घनानंद: ग्रंथावली – सं.विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
    - चुने हुए 10 पद निर्धारित है I

सहायक ग्रंथ :

1. तुलसीदास रामचरितमानस, गीता प्रेस, गोरखपुर
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी (सं.) कबीर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. जगन्नाथदास, रत्नाकर बिहारी रत्नाकर लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. रामचंद्र शुक्ल (सं.) जायसी ग्रंथावली की भूमिका नागरी प्रचारणी सभा, काशी
5. हजारी प्रसाद द्विवेदी सूर साहित्य राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. मैनेजर पाण्डेय भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. रामचंद्र शुक्ल गोस्वामी तुलसीदास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. विजेन्द्र स्नातक कबीर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

PHNTC10004 अनुवाद सिद्धांत एवं प्रयोग

इकाई : 04

क्रेडिट : 04

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक – 100

- **आंतरिक मूल्यांकन अंक 40 (संगोष्ठी / शैक्षिकी / आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगीं l)**
- **सत्रांत परीक्षा अंक 60**

Prerequisite Course/Knowledge

1. **अनुवाद की परंपरा और अनुवाद की उपादेयता प्रासंगिकता आधारभूत जानकारी, हिंदी भाषा में अनुवाद के महत्त्व- उसके गुण, प्रकार, आदि की जानकारी**

Course Learning Outcome (CLOS)

2. इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा-

CLO-1. अनुवाद के सिद्धांत और प्रयोग को स्पष्ट रूप से परिभाषित कर सकेगा।

CLO-2. अनुवाद के लेखन की परंपरा को चिह्नित कर सकेगा।

CLO-3. अनुवाद का अर्थ, परिभाषा, उसकी उपादेयता एवं महत्त्व को विवेचित कर सकेगा।

CLO-4. अनुवाद के उपकरणों और प्रयोग विधि को पहचान सकेगा।

CLO-5. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग, प्रकार, प्रक्रिया तथा अनुवाद के व्यावहारिक पक्ष के संदर्भों का निरीक्षण कर सकेगा।

इकाई – 1

- अनुवाद का अर्थ, परिभाषा
- अनुवाद की परंपरा– भारतीय पाश्चात्य
- अनुवाद का क्षेत्र
- अनुवाद : उपयोगिता और महत्त्व
- अनुवादक के गुण एवं दायित्व

इकाई –2

- अनुवाद के प्रकार

- अनुवाद की प्रक्रिया
- अनुवाद समीक्षा
- अनुवाद के उपकरण एवं प्रयोग की विधि
- अनुवाद की सीमाएँ

इकाई-3

- साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ –
  - काव्यानुवाद
  - कथा साहित्य
  - नाटक का अनुवाद
- अनुवाद का व्यावहारिक पक्ष
  (इसके अंतर्गत छात्र को निर्धारित सामग्री का अनुवाद करना होगा।)

इकाई – 4

- ज्ञान प्रधान साहित्य के अनुवाद की समीक्षा
- कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ
- मशीनी अनुवाद की समस्याएँ
- अनुवाद का व्यावहारिक पक्ष
  (इसके अंतर्गत छात्र को निर्धारित सामग्री का अनुवाद करना होगा।)

सहायक ग्रंथ :

1. डॉ. विनोद गोदरे — प्रयोजनमूलक हिंदी
2. डॉ. आर. एस्. सर्राजु — प्रयोजनमूलक हिंदी स्थिति, संदर्भ और प्रयुक्ति
3. रीतारानी पालिवाल — अनुवाद की सामाजिक भूमिका, सचिन प्रकाशन, दिल्ली
4. कृष्णकुमार गोस्वामी — अनुवाद विज्ञान की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. भोलानाथ तिवारी — अनुवाद विज्ञान, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली
6. डॉ. सुरेश कुमार — अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. रीतारानी पालिवाल — अनुवाद प्रक्रिया और परीदृश्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. डॉ. भोलानाथ तिवारी (सं) — भारतीय अनुवाद परिषद्, दिल्ली

PHNTG10301 समकालीन हिंदी गद्य साहित्य

इकाई : 03

क्रेडिट : 03

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक 75

- **आंतरिक मूल्यांकन 30 (संगोष्ठी / शैक्षिकी / आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगीं।)**
- **सत्रांत परीक्षा 45**
- **इस पाठ्यक्रम का अध्ययन छात्र वैकल्पिक(Elective) विषय के रूप में करेंगें।**

Prerequisite Course/Knowledge

1. **समकालीन हिंदी गद्य साहित्य की प्रासंगिक आधारभूत जानकारी, समकालीन गद्य की प्रवृत्तियों, प्रतिनिधि कवि और उनकी रचनाओं आदि की परिचयात्मक जानकारी।**

Course Learning Out Come (CLOS)

2. **इस पाठ्यक्रम को सफलता पूर्वक करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा**

CLO-1. समकालीन हिंदी गद्य को स्पष्ट रूप से परिभाषित कर सकेगा।

CLO-2. समकालीन हिंदी गद्य साहित्य की परम्परा को चिह्नित कर सकेगा।

CLO-3. समकालीन हिंदी गद्य साहित्य की विभिन्न विधाओं को विवेचित कर सकेगा।

CLO-4. समकालीन हिंदी गद्य साहित्य की प्रवृत्तियों को पहचान सकेगा।

CLO-5. समकालीन हिंदी गद्य साहित्य की सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, आर्थिक परिस्थितियों और सन्दर्भों का निरीक्षण कर सकेगा।

इकाई- 1

- समकालीन हिंदी साहित्य का सामन्य परिचय (प्रतिनिधि प्रवृत्तियों, रचनाकार, रचनाएँ)
- अध्ययन हेतु निर्धारित कहानीकार

  (किन्ही पाँच कहानीकारों की एक एक कहानी का अध्ययन अपेक्षित है)

  1) उषा प्रियंवदा – मछलियाँ
  2) मृदुला गर्ग – इक्कसवीं सदी का पेड़
  3) ज्ञानरंजन - पिता

इकाई– 2

- ओमप्रकाश वाल्मिकि – पच्चीस चौका डेढ़ सौ
- उदयप्रकाश – टेपचू
- संजीव– ज्वार

इकाई– 3

- समकालीन हिंदी के कथेतर साहित्य का सामान्य परिचय
- निबंध: विद्यानिवास मिश्र (चयनित चार निबंध- निबंध संग्रह रहिमन पानी राखिए) अध्ययन हेतु

इकाई– 4

- समकालीन हिंदी नाटक साहित्य का सामान्य परिचय (प्रतिनिधि प्रवृतियाँ, नाटककार,नाटक)
- अध्ययन हेतु नाटक

  अ) सुरेंद्र वर्मा - शकुंतला की अँगूठी

  अथवा

  आ) भीष्म साहनी – हानुश

सहायक ग्रंथ

1. डॉ.हरदयाल हिंदी कहानी परंपरा और प्रगति, वाणी प्रकाशन दिल्ली
2. विद्यानिवास मिश्र रहिमन पानी राखिए (संचयन एवं संपादन-गिरिश्वर मिश्र) वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. ज्ञानरंजन प्रतिनिधि कहानियाँ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. उषा प्रियंवदा कितना बड़ा झूठ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. सं.रवीन्द्रनाथ मिश्र इक्कीसवी सदी का हिंदी कहानी साहित्य, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
6. मधुरेश हिंदी कहानी का विकास, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
7. मृदुला गर्ग प्रतिनिधि कहानियाँ किताबघर प्रकाशन दिल्ली
8. ओमप्रकाश वाल्मीकि सलाम, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली

PHNTG 10302 प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता

इकाई : 03

क्रेडिट : 03

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक – 75

- **आंतरिक मूल्यांकन 30(संगोष्ठी/शैक्षकी/आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगीं।)**
- **सत्रांत परीक्षा 45**

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन छात्र वैकल्पिक (Elective) विषय के रूप में करेंगे

Prerequisite Course/Knowledge

1. **प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता की प्रासंगिक आधारभूत जानकारी, प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता के विकास एवं स्वरूप के साथ प्रयोजनमूलक भाषा और प्रयुक्ति की जानकारी, प्रयोजनमूलक हिंदी के क्षेत्र, हिंदी पत्रकारिता के प्रकार आदि की परिचयात्मक जानकारी।**

Course Learning Out Come (CLOS)

2. **इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा –**

CLO-1. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता को स्पष्ट रूप से परिभाषित कर सकेगा।

CLO-2. प्रयोजनमूलक हिंदी का अर्थ, स्वरूप और पत्रकारिता की अवधारणा को चिह्नित कर सकेगा।

CLO-3. पत्रकारिता के उदय एवं विकास के साथ कालखंडो को विवेचित कर सकेगा।

CLO-4. हिंदी पत्रकारिता की भाषा शैली को पहचान सकेगा।

CLO-5. प्रयोजनमूलक हिंदी का स्वरूप, क्षेत्र, परिचय और हिंदी पत्रकारिता के प्रकार, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, इंटरनेट, विज्ञापन की भाषा शैली आदि के सन्दर्भों का निरीक्षण कर सकेगा।

इकाई – 1

- प्रयोजनमूलक भाषा और प्रयुक्ति की संकल्पना
- प्रयोजनमूलक हिंदी का अर्थ, परिभाषाएँ और स्वरूप
- प्रयोजनमूलक हिंदी के क्षेत्र

इकाई –2

- पत्रकारिता की अवधारणा एवं स्वरूप
- हिंदी पत्रकारिता का उदय और विकास
  (स्वतंत्रता पूर्व, स्वातंत्र्योत्तर, समकालीन हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त परिचय)

इकाई –3

- **हिंदी पत्रकारिता के प्रकार:** फिल्मी पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, बाल पत्रकारिता, वाणिज्य – व्यवसायिक पत्रकारिता, विज्ञान पत्रकारिता, हास्य – व्यंग्य पत्रकारिता, ग्रामीण पत्रकारिता, पीत पत्रकारिता आदि।
- **हिंदी पत्रकारिता की भाषा :**
  - प्रिंट मीडिया और हिंदी भाषा
  - इलेक्ट्रानिक मीडिया और हिंदी भाषा
  - इंटरनेट और हिंदी भाषा (ब्लॉगिंग, सोशल नेटवर्क साइट, ई-अखबार, एस्.एम्.एस्)
  - विज्ञापनों की भाषा

सहायक ग्रंथ:

1. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान सिद्धांत और प्रयोग, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. विनोद गोदरे प्रयोजनमूलक हिंदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. कृष्णबिहारी मिश्र हिंदी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ
4. सुधीश पचौरी नए जनसंचार माध्यम, भाषा और साहित्य, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
5. सं. सुधीश पचौरी और अचला शर्मा इक्कीसवी सदी का हिंदी कहानी साहित्य लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. अर्जुन चव्हाण मीडियाकालीन हिंदी: स्वरूप एवं संभावनाएँ,राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

PHITA10101 हिंदी व्याकरण और व्यवहार

इकाई : 03

क्रेडिट : 03

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक – 75

- **आंतरिक मूल्यांकन 30 (संगोष्ठी / शैक्षिकी/ आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगीं।)**
- **सत्रांत परीक्षा 45**

Prerequisite Course/Knowledge

1. **हिंदी व्याकरण और व्यवहार की आधारभूत जानकारी, हिंदी व्याकरण के वर्ण, वर्णमाला, शब्द भेद, शब्द साधन आदि की परिचयात्मक जानकारी।**

Course Learning Out Come (CLOS)

2. **इस पाठ्यक्रम को सफलता पूर्वक करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा –**

CLO-1. हिंदी व्याकरण तथा व्यवहार को स्पष्ट रूप से परिभाषित कर सकेगा।

COL-2. हिंदी व्याकरण के विविध अंगों को चिह्नित कर सकेगा।

COL-3. हिंदी व्याकरण के उच्चारण और वर्गीकरण, देवनागरी लिपि, संधि, स्वराघात को विवेचित कर सकेगा।

COL-4. हिंदी व्याकरण के शब्द विचार, शब्दों के वर्गीकरण विकारी शब्द, अविकारी शब्द, शब्द साधन आदि को चिह्नित कर सकेगा ।

COL-5. हिंदी व्याकरण और व्यवहार में कारक का प्रयोग वाक्य और उनके भेद उनके सन्दर्भों का निरीक्षण कर सकेगा।

इकाई 1

- भाषा और व्याकरण, भाषा विज्ञान और व्याकरण, व्याकरण की सीमा
- व्याकरण से लाभ, व्याकरण के विभाग
- वर्ण विचार– वर्णमाला, देवनागरी लिपि, वर्णों का उच्चारण और वर्गीकरण,
- स्वराघात, संधि
- अभ्यास

इकाई 2

- शब्द साधन -शब्द विचार, शब्दों का वर्गीकरण
- विकारी शब्द – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया
- अविकारी शब्द – सम्बन्धसूचक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक
- अभ्यास
- शब्दसाधन रूपांतर: लिंग,वचन,कारक,सर्वनाम,विशेषण,क्रिया,संयुक्त क्रियाएँ,विकृत अव्यय
- अभ्यास
- शब्द साधन व्युत्पत्ति - विषयारंभ,उपसर्ग,संस्कृत प्रत्यय,हिंदी प्रत्यय,उर्दू प्रत्यय, समास, पुनरूक्त शब्द
- अभ्यास

इकाई 3

- वाक्य विन्यास- कारकों के अर्थ और प्रयोग, सामासिक अधिकरण शब्द, उद्देश्य, कर्म और क्रिया का अन्वय, सर्वनाम, विशेषण और संबंधकारक, कालों के अर्थ और प्रयोग, क्रियार्थक संज्ञा, कृदन्त, संयुक्त क्रियाएँ, अव्यय, अध्याहार, पदक्रम, पद परिचय
- वाक्यपृथक्करण – वाक्य और वाक्यों में भेद, साधारण वाक्य, मिश्रवाक्य, संयुक्त वाक्य, संक्षिप्त वाक्य, विशेष प्रकार के वाक्य
- अभ्यास

सहायक ग्रन्थ

1. कामताप्रसाद गुरु हिंदी व्याकरण
2. डॉ.राजेश्वरप्रसाद चतुर्वेदी हिंदी व्याकरण
3. डॉ.के.पी शाहा हिंदी व्याकरण

Annexure-II

कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय

5thBOS(2021) हिंदी एम.ए. पाठ्यक्रम 2021-2022 से प्रभावी

द्वितीय सत्र			
7	PHNTC20005	4	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
8	PHNTC20006	4	हिन्दी भाषा का इतिहास और संरचना
9	PHNTC20007	4	आधुनिक हिन्दी काव्य
10	PHNTC20008	4	भारतीय काव्य सिद्धांत
11	PHNTG20303	3	समकालीन हिन्दी काव्य
12	PHNTG20304		हिन्दी सिनेमा,साहित्य और समाज
13	PHNTA20102	3	हिन्दी और कंप्यूटर
	TOTAL	22	

द्वितीय सत्र (2nd sem)

PHNTC20005 हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

इकाई : 04

क्रेडिट : 04

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक – 100

- **आंतरिक मूल्यांकन अंक 40 (संगोष्ठी / शैक्षिकी / आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगी।)**
- **सत्रांत परीक्षा अंक 60**

Prerequisite Course/Knowledge

1. **हिंदी साहित्य के आधुनिक काल की आधारभूत जानकारी, यथा- प्रमुख काव्य प्रवृत्तियों, गद्य के विकास, प्रमुख रचनाकरों और उनकी रचनाओं की परिचयात्मक जानकारी।**

Course Learning Outcome (CLOS)

2. **इसपाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा–**

CLO-1. आधुनिककालीन हिंदी साहित्य के इतिहास को स्पष्ट परिभाषित कर सकेगा।

CLO-2. आधुनिक कालीन हिंदी पद्य - गद्य की परंपरा को चिह्नित कर सकेगा।

CLO-3. आधुनिक कालीन हिंदी साहित्य के इतिहास के विभिन्न कालखंडों को विवेचित सकेगा।

CLO-4. आधुनिक कालीन हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों को, गद्य की विभिन्न विधाओं के उद्भव और विकास को पहचान सकेगा।

CLO-5. आधुनिक कालीन हिंदी साहित्य की उदयकालीन साहित्यिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक परिस्थितियों और संदर्भों का निरीक्षण कर सकेगा।

इकाई – 1

- आधुनिक काल का उदय और युगीन परिस्थितियाँ।
- भारतेंदुमंडल और भारतेंदुकालीन साहित्य की विशेषता।
- हिंदी में आधुनिक गद्य विधाओं का उदय और विकास।

इकाई –2

- आधुनिक हिंदी काव्य की विशेषताएँ एवं प्रवृत्तियाँ।
- भारतेंदुयुगीन काव्य, द्विवेदी युगीन काव्य, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, अकविता, नयी कविता, नवगीत और समकालीन कविता।

इकाई –3

- **हिंदी कहानी का उद्भव और विकासक्रम :**
  - आरंभिक हिंदी कहानी ,
  - प्रेमचंदयुगीन हिंदी कहानी
  - प्रेमचंदोत्तर हिंदी कहानी
  - समकालीन हिंदी कहानी
- **हिंदी उपन्यास का उद्भव और विकासक्रम :**
  - प्रेमचंदपूर्व हिंदी उपन्यास
  - प्रेमचंदयुगीन हिंदी उपन्यास
  - प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यास
  - समकालीन हिंदी उपन्यास

इकाई – 4

- हिंदी नाटक और एकांकी साहित्य का विकास
- **हिंदी निबंध :** उद्भव, विकास, प्रकार और प्रमुख निबंधकार
- **हिंदी आलोचना का विकास :** उद्भव, विकास और प्रमुख आलोचक
- **हिंदी गद्य की अन्य विधाएँ :** रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, जीवनी, यात्रावृत्त और रिपोतार्ज

सहायक ग्रंथ :

1. अवधेश प्रधान, हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ,साहित्य वाणी, इलाहाबाद – 2010
2. डॉ. गणपति चंद्रगुप्त, हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास भाग – 1-2,वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. डॉ. रामकुमार वर्मा, हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, वाणी प्रकाशन दिल्ली
4. नगेंद्र (सं), हिंदी साहित्य का इतिहास,मयूर प्रकाशन, दिल्ली – 2010
5. बच्चन सिंह, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास,राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली – 1996
6. मधुरेश, हिंदी उपन्यास का विकास, लोक भारती प्रकाशन, दिल्ली
7. मधुरेश, हिंदी कहानी का विकास, लोक भारती प्रकाशन, दिल्ली
8. राम स्वरूप चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास,लोक भारती, इलाहाबाद – 1986
9. रामचंद्र शुक्ल, हिंदी साहित्य का इतिहास,काशी नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी -1969

PHNTC20006 हिंदी भाषा का इतिहास और संरचना

इकाई : 04

क्रेडिट : 04

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक -100

आंतरिक मूल्यांकन अंक 40 (संगोष्ठी/शैक्षिकी/आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगी)

संत्रात परीक्षा अंक 60

Prerequisite Course/Knowledge

1. **हिंदी भाषा का इतिहास और संरचना की आधारभूत जानकारी भाषाओं का वर्गीकरण, भाषाओं का विकास, हिंदी की प्रमुख उपभाषाओं, हिंदी की ध्वनि सरंचना आदि की परिचयात्मक जानकारी**

Course Learning Outcome (CLOS)

2. **इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा –**

CLO-1. हिंदी भाषा के इतिहास को स्पष्ट रूप से परिभाषित कर सकेगा।

CLO-2.हिंदी भाषा के इतिहास के विकासक्रम को चिह्नित कर सकेगा।

CLO-3.हिंदी भाषा के विविध रूपों तथा हिंदी की प्रमुख उपभाषाओं को विवेचित कर सकेगा।

CLO-4.हिंदी के स्वर, व्यंजन, वाक्य संरचना को पहचान सकेगा।

CLO-5.हिंदी भाषा का इतिहास और संरचना, लिपि की संरचना, नागरी लिपि हिंदी वर्तनी, हिंदी का आधुनिकरण और मानवीकरण के सन्दर्भों का निरीक्षण कर सकेगा।

इकाई – 1

- भाषाओं का वर्गीकरण- पारिवारिक, आकृतिमूलक
- भारत के भाषा परिवार
- भारतीय आर्यभाषाओं का विकास –
  - प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ
  - मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ
  - आधुनिक भारतीय भाषाएँ
- हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकासक्रम

इकाई –2

- हिंदी का क्षेत्र
  - हिंदी भाषा के विविध रूप –बोली, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा
- हिंदी की प्रमुख उपभाषाएँ
- हिंदी शब्द समूह

इकाई –3

- हिंदी की ध्वनि संरचना
  - हिंदी के स्वर, स्वर स्वनिम, हिंदी में 'अ' लोप की समस्या
  - हिंदी के व्यंजन, व्यंजन स्वनिम, नासिक्य व्यंजन, अनुस्वार और अनुनासिकता, हिंदी के महाप्राण व्यंजनों की स्थिति
- हिंदी की रूप संरचना

इकाई – 4

- हिंदी की वाक्य संरचना
- हिंदी की लिपि संरचना
  - नागरी लिपि का विकास
  - नागरी लिपि का मानकीकरण
  - हिंदी वर्तनी के नियम
- हिंदी का आधुनिकीकरण, मानकीकरण

सहायक ग्रंथ

1. भोलानाथ तिवारी — भाषा विज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद
2. भोलानाथ तिवारी — हिंदी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. भोलानाथ तिवारी — हिंदी भाषा की संरचना, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. भोलानाथ तिवारी — मानक हिंदी का स्वरूप, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. राजमणि शर्मा — हिंदी भाषा इतिहास और स्वरूप, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. ब्रजमोहन — अर्थ विज्ञान, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. किशोरीदास वाजपेयी — भारतीय भाषाविज्ञान, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. महेंद्रनाथ दूबे — भाषा, भाषाविज्ञान और राजभाषा हिंदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. दीलीप सिंह — भाषा का संसार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

PHNTC20007आधुनिक हिंदी काव्य

इकाई : 04

क्रेडिट : 04

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक -100

आंतरिक मूल्यांकन - अंक 40 (संगोष्ठी/शैक्षिकी/आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगी)

संत्रात परीक्षा - अंक 60

Prerequisite Course/Knowledge

1. **आधुनिक हिंदी काव्य की प्रासंगिक आधारभूत जानकारी आधुनिक काव्य के प्रतिनिधि कवि और उनकी रचनाओं आदि की जानकारी**

Course Learning Outcome (CLOS)

2. **इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा –**

CLO-1.आधुनिक हिंदी काव्य को स्पष्ट रूप से परिभाषित कर सकेगा।

COL-2.आधुनिक हिंदी काव्य की विचारधाराओं को चिह्नित कर सकेगा।

COL-3.आधुनिक हिंदी काव्य के विभिन्न कालखंडों की कविताओं को विवेचित कर सकेगा।

COL-4.आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों को पहचान सकेगा।

COL-5.आधुनिक हिंदी काव्य की सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, आर्थिक परिस्थितियों और सन्दर्भों का निरीक्षण कर सकेगा।

इकाई – 1

- **मैथिलीशरण गुप्त :** साकेत (नवम् सर्ग के चयनित अंश)
- **जयशंकर प्रसाद :** कामायनी (श्रद्धा सर्ग)

इकाई –2

- **सूर्यकांत त्रिपाठी निराला :** जूही की कली, कुकुरमुत्ता
- **सुमित्रानंदन पंत :** परिवर्तन
- **महादेवी वर्मा :** मै नीर भरी दुख की बदली
- **केदारनाथ :** माँझी का फूल

इकाई –3

- **दिनकर :** रश्मिरथी (चुने हुए अंश)
- **नागार्जुन :** शासन के बंदूक, अकाल और उसके बाद
- **अज्ञेय : असाध्य वीणा**

इकाई – 4

- **मुक्तिबोध :** अंधेरे में
- **धूमिल -** मोचीराम
- **उदय प्रकाश :** नींव की ईंट, तुम हो दीदी

सहायक ग्रंथ

1.	नामवर सिंह	छायावाद
2.	नामवर सिंह	कविता के नए प्रतिमान
3.	रामस्वरूप चतुर्वेदी	प्रसाद, पंत, निराला
4.	प्रभाकर माचवे	हिंदी के साहित्य निर्माता मैथिलीशरण गुप्त
5.	मुक्तिबोध	नयी कविता का आत्म - संघर्ष
6.	परमानंद श्रीवास्तव	समकालीन कविता का व्याकरण
7.	अशोक वाजपेयी	कविता का जनपद
8.	रामविलास शर्मा	नयी कविता और अस्तित्ववाद
9.	विजय कुमार	कविता की समंत
10.	जगदीश गुप्त (सं.)	नई कविता के अंक

PHNTC 20008 भारतीय काव्य सिद्धांत

इकाई : 4

क्रेडिट : 4

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक 100

आंतरिक मूल्यांकन अंक 40 (संगोष्ठी/शैक्षिकी/आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरतंर मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगी।)

सत्रांत परीक्षा अंक 60

Prerequisite Course/Knowledge

1. **भारतीय काव्यशास्त्र की आधारभूत जानकारी तथा भारतीय काव्य सिद्धांतों का परिचय।**

Course Learning Outcome (CLOS)

2. **इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा –**

CLO-1. भारतीय काव्यशास्त्र के क्रमिक विकास को चिह्नित कर सकेगा।

COL-2. काव्य के लक्षण, हेतु, प्रयोजन तथा शब्द शक्तियों को परिभाषित कर सकेगा।

COL-3. काव्य के स्वरूप को विवेचित कर सकेगा।

COL-4. रस, अलंकर, ध्वनि, रीति, वक्रोक्ति एवं औचित्य इन भारतीय काव्य सिद्धांतों को विवेचित कर सकेगा।

COL-5. काव्य के प्रकारों को पहचान सकेगा।

COL-6. काव्य में अभिव्यक्त रस, रस सामग्री, अलंकारों, रीतियों का निरीक्षण कर सकेगा।

इकाई-1

- भारतीय काव्यशास्त्र का विकासक्रम
- काव्य की परिभाषा,काव्य के तत्व,काव्य का स्वरूप,काव्य के लक्षण,काव्य प्रयोजन,काव्य हेतु
- शब्द शक्ति, काव्य के प्रकार

इकाई-2

- रस सिद्धांत–
  - रस का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप,महत्त्व
  - रस सामग्री-रस के अवयव,रस के भेद
  - रस-निष्पत्ति-उत्पत्तिवाद, अनुमितिवाद, भुक्तिवाद, अभिव्यंजनावाद

- साधारणीकरण

- संस्कृत आचार्य –भट्टनायक, अभिनव गुप्त, मम्मट, विश्वनाथ, पंडितराज जगन्नाथ
- हिंदी आचार्य - केशवप्रसाद मिश्र, रामचंद्र शुक्ल, डॉ.नगेंद्र
- अलंकार सिद्धांत –
  - अलंकार : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं महत्त्व
  - अलंकारों का वर्गीकरण
- प्रमुख अलंकारों का परिचय-यमक, वक्रोक्ति, श्लेष, उपमा, रूपक आदि

इकाई-3

- रीति सिद्धांत-
  - रीति की अवधारणा, अर्थ, परिभाषा, स्वरूप,महत्त्व
  - प्रमुख गुणों (माधुर्य, ओज और प्रसाद) के लक्षण
  - प्रमुख रीतियाँ (वैदर्भी, गौडी, पाँचाली)

- ध्वनि सिद्धांत-
  - अर्थ,परिभाषा, स्वरूप, महत्त्व,
  - ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद

इकाई-4

- वक्रोक्ति सिद्धांत–
  - अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, महत्त्व, वर्गीकरण
- औचित्य सिद्धांत –
  - अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, महत्त्व एवं भेद

सहायक ग्रंथ

1. नगेंद्र भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली
2. डॉ.सभापति मिश्र भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य चिंतन, जयभारती प्रकाशन,
3. इलाहाबाद
4. नगेंद्र रस सिद्धांत, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली
5. गणपतिचंद्र गुप्त भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
6. प्रो. हरिमोहन भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की पहचान, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. तारकनाथ बाली भारतीय काव्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. राममूर्ति त्रिपाठी भारतीय काव्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

PHNTG 20303 समकालीन हिंदी काव्य

इकाई : 03

क्रेडिट : 03

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक 75

- **आंतरिक मूल्यांकन अंक 30 (संगोष्ठी/शैक्षिकी/आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगी।)**
- **सत्रांत परीक्षा अंक 45**
- **इस पाठ्यक्रम का अध्ययन छात्र वैकल्पिक (Elective) विषय के रूप में करेंगे**

Prerequisite Course/Knowledge

1. **हिंदी भाषा और काव्य की आधारभूत जानकारी।**

Course Learning Out Come (CLOS)

2. **इस पाठ्यक्रम को सफलता पूर्वक करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा –**

CLO-1. समकालीन हिंदी काव्य को स्पष्ट रूप से परिभाषित कर सकेगा ।

COL-2. समकालीन हिंदी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों को चिह्नित कर सकेगा।

COL-3. समकालीन हिंदी काव्य की प्रतिनिधि रचनाओं को विवेचित कर सकेगा।

COL-4. हिंदी के प्रतिनिधि समकालीन कवियों को विवेचित कर सकेगा।

COL-5. समकालीन हिंदी काव्य की सामजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिस्थिति और संदर्भों का निरीक्षण कर सकेगा।

इकाई-1

- **समकालीन हिंदी काव्य का परिचय**
- प्रमुख प्रवृतियाँ –
  - यथार्थ
  - आम आदमी के दुःख दर्द की अभिव्यक्ति
  - विद्रोह प्रवृति
  - विचार तत्व की प्रधानता
  - नारी का यथार्थ चित्रण
  - सौन्दर्यबोध

- समकालीन कविता की भाषा

इकाई-2

- **कवि परिचय और रचनाएँ-**
  - केदारनाथ अग्रवाल– आग का आईना, फूल नहीं रंग बोलते हैं, बादल ने मार दी बरछी
  - धूमिल- संसद से सड़क तक, विद्रोह, अकाल दर्शन, कुत्ता
  - अरुण कमल – अपनी केवल धार, उड़ी एक चिड़िया, धरती और भार
  - अनामिका – अब भू बसंत तुम्हारी जरुरत है, बरसात का मतलब है, मैं राह बना रही हूँ
  - जयप्रकाश कर्दम – बस्तियों से बाहर, गूंगा नहीं था मैं, तिनका-तिनका आग
  - ज्ञानेंद्रपति – एक गर्भवती, औरत के प्रति दो कविताएँ, विज्ञान, शिक्षक से छोटी लड़की का एक सवाल

इकाई-3

- **कवि परिचय और रचनाएँ**
  - चंद्रकांत देवताले – रोशनी के मैदान की तरफ, षडयंत्र, सुबह हमसे बाहर हो रही थी
  - केदारनाथ सिंह – निराकार की पुकार, धोनों का गीत, कमरे का दानव
  - निर्मला पुतुल – तुम बाँसुरी बजाते रहे, मुझे दूर मत ब्याहना बाबा, तुम्हारे एहसान लेने से पहले, सोचना पड़ेगा हमें

सहायक ग्रंथ

1. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी — समकालीन हिंदी कविता
2. रवीन्द्रनाथ मिश्र (सं.) — इक्कीसवीं सदी का हिंदी साहित्य
3. रामस्वरूप चतुर्वेदी — समकालीन हिंदी साहित्य विविध परिदृश्य
4. आलोक गुप्ता — समकालीन हिंदी कविता
5. रोहिताश्व — समकालीन कविता और सौन्दर्यबोध वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. डॉ. विश्वम्भरनाथ उपाध्याय — समकालीन कविता अंतयात्रा

PHNTG 20304 हिंदी सिनेमा: साहित्य और समाज

इकाई : 03

क्रेडिट : 03

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक 75

- **आंतरिक परीक्षा अंक 30**
- **सत्रांत परीक्षा अंक 45**

Prerequisite Course/Knowledge

1. सिनेमा में रुचि एवं प्रारंभिक ज्ञान

Course Learning Out Come (CLOS)

2. इस पाठ्यक्रम को सफलता पूर्वक करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा –

CLO-1. हिंदी सिनेमा और संबंधित पदावली को परिभाषित कर सकेगा।

CLO-2. हिंदी सिनेमा के इतिहास की परंपरा को लक्षित कर सकेगा।

CLO-3. साहित्य आधारित हिंदी क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्मों को विवेचित कर सकेगा।

CLO-3. सामाजिक मुद्दों पर आधारित फिल्मों की दिशाओं को पहचान सकेगा।

CLO-5. फिल्म समीक्षा की पद्धति का निरीक्षण कर सकेगा।

इकाई – 1

- **सिनेमा का इतिहास :**
  - मूक फिल्मों का इतिहास
  - हिंदी सिनेमा का इतिहास 1990 तक
  - हिंदी सिनेमा का इतिहास 1990 से अब तक

इकाई –2

- **साहित्य पर आधारित कुछ फिल्में**
  - हिंदी साहित्य पर आधारित हिंदी फिल्में
  - क्षेत्रीय साहित्य पर आधारित हिंदी फिल्में
  - विदेशी साहित्य पर आधारित हिंदी फिल्में

इकाई –3

- **संवाद करती कुछ फिल्में**
  - गरम हवा
  - बवंडर
  - हजार चौरासी की माँ
  - पीपली लाइव
  - पानसिंह तोमर
  - ओह माई गॉड

सहायक ग्रंथ

1. अनवर जमाल — हॉलीवुड, बॉलीवुड
2. विनोद भारद्वाज — सिनेमा कल आज कल
3. बच्चन श्रीवास्तव — भारतीय फिल्मों की कहानी
4. शंभुनाथ — हिंदी सिनेमा
5. सुरेंद्रनाथ तिवारी — भारतीय नया सिनेमा
6. मनोहर श्याम जोशी — पटकथा लेखन के तत्व
7. विजय अग्रवाल — हिंदी सिनेमा और साहित्य
8. मनोहर श्याम जोशी — पटकथा लेखन एक परिचय
9. अनुपमा ओझा — भारतीय सिने सिद्धांत
10. विनोद भारद्वाज — समय और सिनेमा
11. विनोद भारद्वाज — सिनेमा और समझ

PHNTA 20102 हिंदी और कंप्यूटर

इकाई : 03

क्रेडिट : 03

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक 75

- **आंतरिक परीक्षा अंक 30**
- **सत्रांत परीक्षा अंक 45**

Prerequisite Course/Knowledge

1.कंप्यूटर की आधारभूत जानकारी अपेक्षित है।

Course Learning Out Come (CLOS)

2. इस पाठ्यक्रम को सफलता पूर्वक करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा –

CLO-1. कंप्यूटर एवं संबंधित पदावली को परिभाषित कर पाएगा।

CLO-2. कंप्यूटर के विकास की परंपरा को चिह्नित कर सकेगा।

CLO-3. कंप्यूटर के ऑफलाइन/ऑनलाइन प्रयोग, कारणों और दिशाओं की पहचान कर सकेगा।

CLO-3. डिजिटल क्रांति, डिजिटल डिवाइस और वर्चुअल वर्ल्ड को विवेचित कर सकेगा।

CLO-5. हिंदी के ई-संसाधन का भंडार उसके विश्लेषण की पद्धतियों का निरीक्षण कर सकेगा।

इकाई –1

- कंप्यूटर – एक सामान्य परिचय
- कंप्यूटर का विकास
- कंप्यूटर के प्रकार
- कंप्यूटर के विभिन्न घटक
- हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर

इकाई –2

- माइक्रोसॉफ्टवर्ड और पावर प्वाइंट
- हिंदी टाइपिंग,की-बोर्ड लेआउट, यूनिकोड, फॉण्ट प्रकार

- इंटरनेट की आभासी दुनिया (virtual world) और हिन्दी
- डिजिटल क्रांति और डिजिटल डिवाइड

इकाई –3

- हिन्दी में ई-संसाधन
- हिन्दी की प्रमुख अकादमिक वेबसाइटस(हिन्दी समय,शोध गंगा आदि);हिन्दी ई पत्र और ई पत्रिकाओं का अध्ययन
- ब्लॉग-सृजनात्मक लेखन से संबंधित प्रमुख ब्लॉग:परिचय और वैशिष्ट्य
- हिन्दी विकिपीडिया : परिचय और लेखन
- सोशल मीडिया और हिन्दी

सहायक ग्रंथ :

1. मानक हिन्दी वर्तनी तथा नागरी लिपि, संपादक : रामकृष्ण मिश्र, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग

2. एम.एस. ऑफिस , प्रकाशक : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार

Annexure III

कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय

5thBOS(2021) हिंदी एम.ए. पाठ्यक्रम 2021-2022 से प्रभावी

		तृतीय सत्र	
13	PHNTC30009	4	पाश्चात्य काव्यसिद्धांत
14	PHNTC30010	4	हिन्दी कथा साहित्य
15	PHNTC30011	4	हिन्दी साहित्य के विविध विमर्श
16	PHNTC30012	4	हिन्दी नाटक एवं रंगमंच
17	PHNTA30103	2	शोध प्रविधि
18	PHNTD30201	3	हिन्दी सिनेमा और साहित्य
19	PHNTD30202		प्रयोजनमूलक हिन्दी
	TOTAL	**21**	

तृतीय सत्र

PHNTC30009 पाश्चात्य काव्य सिद्धांत

इकाई : 4

क्रेडिट : 4

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक 100

- **आंतरिक मूल्यांकन 40 (संगोष्ठी/शैक्षिकी/आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगी)**
- **सत्रांत परीक्षा 60**

Prerequisite Course/Knowledge

1. **पाश्चात्य काव्यशास्त्र की आधारभूत जानकारी, तथा पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों का संक्षिप्त परिचय|**

Course Learning Outcomes (CLOS)

2. **इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा–**

CLO-1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकास क्रम को चिह्नित कर सकेगा।

CLO-2.काव्य की पाश्चात्य अवधारणा और काव्य के भेदों को परिभाषित कर सकेगा।

CLO-3. काव्य के स्वरूप का विवेचन कर सकेगा।

CLO-4. प्लेटो, अरस्तू व लोंजाइनस के काव्य सिद्धांतों को विवेचित कर सकेगा।

CLO-5. वडर्सवर्थ और कॉलरिज के काव्य सिद्धांतों को विवेचित कर सकेगा।

CLO-6. आई.ए.रिचर्डस और टी.एस. इलियट के काव्य सिद्धांतों का विवेचन कर सकेगा।

CLO-7. मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, नई समीक्षा, संरचनावाद, उत्तर -संरचनावाद, इन सिद्धांतों का विवेचन कर सकेगा।

इकाई 1

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र का विकासक्रम
- काव्य की परिभाषा, काव्य भेद और काव्य स्वरूप

इकाई-2

- **प्लेटो का काव्य सिद्धांत:** प्रत्यय सिद्धांत, काव्य संबंधी दृष्टिकोण, काव्य प्रयोजन, नाटक संबंधी विचार, महत्त्व
- **अरस्तू का काव्य सिद्धांत** अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत,दुखांत (त्रासदी) का विवेचन, प्लेटो और अरस्तू की काव्य संबंधी मान्यताओं की तुलना
- **लोंजाइनस का काव्य सिद्धांत:** उदात्त अभिव्यंजना,उदात्त के अवरोधक, दोष, उदात्त के निष्पादक पाँच तत्व, विचार की महत्ता, भाव की तीव्रता, अलंकार का समुचित प्रयोग, पद-योजना, रचना की गरिमा

इकाई 3

- **वर्ड्सवर्थ का काव्य सिद्धांत:** काव्य की परिभाषा, काव्य की भाषा, काव्य की विषयवस्तु, काव्य का प्रयोजन
- **आई.ए.रिचर्डस् का काव्य सिद्धांत, मूल्य सिद्धांत:** कला और नैतिकता, कविता की परिभाषा, काव्य भाषा, लय और छन्द
- **टी.एस.इलियट का काव्य सिद्धांत:** काव्य भाषा, काव्य का संगीत, मूर्त विधान, संवेदनशीलता का साहचर्य, काव्य और नैतिकता

इकाई-4

- मार्क्सवाद
- मनोविश्लेषणवाद
- नई समीक्षा, संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद
- आधुनिकतावाद और उत्तरआधुनिकतावाद

सहायक ग्रन्थ:

1. नगेंद्र रस सिद्धांत,नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
2. गणपतिचंद्र गुप्त भारतीय एवं पाश्चात्य का सिद्धांत,लोकभारतीय प्रकाशन इलाहाबाद
3. प्रो.हरिमोहन भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की पहचान,वाणी प्रकाशन दिल्ली
4. देवेंद्रनाथ शर्मा पाश्चात्य काव्यशास्त्र,नेशनल पब्लिशिंग हॉउस दिल्ली
5. निर्मला जैन नयी समीक्षा के प्रतिमान,नेशनल पब्लिशिंग हॉउस दिल्ली
6. निर्मला जैन प्लेटो के काव्य सिद्धांत,वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
7. राजनाथ काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा,वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
8. देवेन्द्रनाथ शर्मा पाश्चात्य काव्यशास्त्र नई प्रवृत्तियों,राजकमल प्रकाशन पटना

PHNTC30010 हिंदी कथा साहित्य

इकाई : 04

क्रेडिट : 04

अंक विभाजन तथा मूल्याकंन

कुल अंक 100

- **आंतरिक मूल्यांकन 40 (संगोष्ठी/ शैक्षिकी/ अंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्याकंन पद्धति अपनाई जाएगीं)**
- **सत्रांत परीक्षा 60**

Prerequisite Course/Knowledge

1. **कहानी/उपन्यास विधा से परिचय|**
2. **कहानी/उपन्यास के तत्वों से परिचय।**

Course Learning Outcome (CLOS)

3. **इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा–**

CLO-1. हिंदी कहानी और उपन्यास के तात्विक स्वरूप को परिभाषित कर सकेगा।

CLO-2. साहित्य के ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना को चिह्नित कर सकेगा।

CLO-3. रचना विशेष को विवेचित कर सकेगा।

CLO-4. कहानी और उपन्यास के आस्वादन के अंतर्गत विभिन्न प्रवृत्तियों की पहचान सकेगा।

CLO-5. रचना विशेष के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक संदर्भों आदि का निरीक्षण कर सकेगा।

इकाई-1

- **कहानी**

- राजेंद्र बाला घोष (बंग महिला)- दुलाईवाली
- चंद्रधरशर्मा गुलेरी- उसने कहा था
- जयशंकर प्रसाद- आकाशदीप
- अज्ञेय- रोज (गैंग्रीन)
- यशपाल- फूलों का कुर्ता

इकाई-2

➢ **कहानी**

- कृष्णा सोबती- सिक्का बदल गया है
- कमलेश्वर- खोई हुई दिशाएँ
- राजेंद्र यादव-जहाँ लक्ष्मी कैद है
- अमरकांत- दोपहर का भोजन
- निर्मल वर्मा- परिंदे

इकाई-3

➢ **उपन्यास**

- भीष्म साहनी- तमस

इकाई 4

➢ **उपन्यास**

- अलका सरावगी - कली कथा वाया बाइपास

सहायक ग्रंथ

1. इंद्रनाथ मदान आज का हिंदी उपन्यास
2. गोपाल राय उपन्यास की संरचना
3 गोपाल राय हिंदी उपन्यास का इतिहास
4. भगवतशरण मिश्र हिंदी के चर्चित उपन्यासकार
5. मधुरेश हिंदी कहानी का विकास
6. राजेंद्र यादव अट्ठारह उपन्यास
7. रामचंद्र त्रिपाठी हिंदी का गद्य साहित्य
8. रामदरश मिश्र हिंदी उपन्यास एक अंतयात्रा
9. विश्वनाथ त्रिपाठी कुछ कहानियाँ कुछ विचार
10. मधुरेश हिंदी उपन्यास का विकास

PHNTC30011 हिंदी साहित्य के विविध विमर्श

इकाई : 4

क्रेडिट : 4

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुलअंक 100

- **आंतरिक मूल्यांकन 40 (संगोष्ठी/ शैक्षिकी/ आंतरिक परीक्षा के माध्यम से मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगी)**
- **सत्रांत परीक्षा 60**

Prerequisite Course/Knowledge

1. **हिंदी साहित्य के विभिन्न अस्मितामूलक विमर्शों की आधारभूत जानकारी।**

Course Learning Outcome (CLOS)

2. **इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा –**

CLO-1. अस्मितामूलक विमर्श के अर्थ और महत्त्व को चिह्नित कर सकेगा।

CLO-2. हिंदी साहित्य के विभिन्न अस्मितामूलक विमर्शों को परिभाषित कर सकेगा।

CLO-3. स्त्री विमर्श के संदर्भ में हिंदी रचनाओं की विवेचना कर सकेगा।

CLO-4. दलित विमर्श के संदर्भ में हिंदी रचनाओं की विवेचना कर सकेगा।

CLO-5. आदिवासी विमर्श के संदर्भ में हिंदी रचनाओं का विवेचना कर सकेगा।

CLO-6. किन्नर विमर्श के संदर्भ में हिंदी रचनाओं की विवेचना कर सकेगा।

इकाई 1

- अस्मितामूलक विमर्श: अवधारणा स्वरूप एवं महत्त्व
- स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श, किन्नर विमर्श, पारिस्थितिक विमर्श, अल्पसंख्यक विमर्श, वृद्ध विमर्श, किसान (कृषक) विमर्श आदि।

इकाई 2

- स्त्री विमर्श के प्रमुख रचनाकार : कृष्णा सोबती, मधु कांकरिया, कात्यायनी, प्रभा खेतान, अनामिका, मृदुला गर्ग, मैत्रेय पुष्पा
  - ➢ विशेष अध्ययन : उपन्यास
    ठीकरे की मंगनी : नासिरा शर्मा
- किन्नर विमर्श के प्रमुख रचनाकार : नीरजा साधव, महेंद्र भीष्म पिता मुदगल, प्रदीप सौरभ निर्मल भुराडिया
  - ➢ विशेष अध्ययन : उपन्यास
    मैं पायल : महेंद्र भीष्म

इकाई-3

- आदिवासी विमर्श के प्रमुख रचनाकार: रमणिका गुप्ता, निर्मला पुतुल, तेजेन्द्र पाल, हरिराम मीणा, शरणकुमार लिम्बाले
  - ➢ विशेष अध्ययन : कहानी
    1. पीटर पॉल एक्का : बड़ी नदी छोटी नदी
    2. विजय सिंह मीणा : रहना नहीं देस बिराना है
- दलित विमर्श के प्रमुख रचनाकार: बुद्धशरण हंस, मोहनदास नैमिशराय, ओमप्रकाश वाल्मीकि, सूरजपाल चौहान, जयप्रकाश कर्दम, सुशीला टाकभौरे, श्यौराजसिंह बेचैन
  - ➢ विशेष अध्ययन : आत्मकथा
    सुशीला टाकभौरे : शिकंजे का दर्द

इकाई-4

- पारिस्थितिक विमर्श के प्रमुख रचनाकर : निर्मला पुतुल, ज्ञानेंद्रपति
  - ➢ विशेष अध्ययन : कविताएँ
    निर्मला पुतुल : उतनी दूर मत ब्याहना बाबा
    ज्ञानेंद्रपति : गंगा स्नान
- वृद्ध विमर्श के प्रमुख रचनाकर : भीष्म साहनी, कृष्ण बलदेव वैद
  - ➢ विशेष अध्ययन : कहानी
    भीष्म साहनी : गीता सहस्सर नाम
    कृष्ण बलदेव वैद : डायरी अंश

सहायक ग्रन्थ

1. प्रभा खेतान छिनमस्ता, राजकमल, प्रकाशन दिल्ली
2. सूरजपाल चौहान तिरस्कृत, अनुभव प्रकाशन गाज़ियाबाद
3. वंदना टेटे लोकप्रिय आदिवासी कविताएँ, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
4. अनामिका स्त्री विमर्श का लोकपक्ष, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. ओमप्रकाश वाल्मीकि दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन
6. आशारानी व्होरा भारतीय नारी-दशा और दिशा, दिल्ली हॉउस नेशनल पब्लिशिंग
7. जगदीश चतुर्वेदी स्त्री अस्मिता साहित्य और विचारधारा, आनंद प्रकाशन
8. रेखा कस्तवार स्त्री चिंतन की चुनौतियाँ, राजकमल प्रकाशन
9. डॉ. हरिनारायण ठाकुर दलित साहित्य का समाजशास्त्र भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
10. बजरंग बिहारी तिवारी दलित साहित्य: एक अंतर्यात्रा, नवारुण गाज़ियाबाद
11. डॉ. हकरार अहमद किन्नर विमर्श साहित्य के आईने में, वाड्मय बुक्स अलीगढ़-
12. डॉ. विजेंद्र प्रताप सिंह हिंदी उपन्यासों के आईने थर्ड जेंड़र, अमन प्रकाशन कानपुर

PHNTC30012 हिंदी नाटक और रंगमंच

इकाई : 4

क्रेडिट : 4

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक 100

- **आंतरिक मूल्यांकन 40 (संगोष्ठी / शैक्षिकी / आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगी।)**
- **सत्रांत परीक्षा 60**

Prerequisite Course/Knowledge

1. **हिंदी नाटक साहित्य की आधारभूत जानकारी और हिंदी रंगमंच की परिचयात्मक जानकारी।**

Course Learning Outcome (CLOS)

2. **इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा–**

CLO-1. हिंदी नाटक के विकासक्रम को चिह्नित कर सकेगा।

CLO-2. हिंदी रंगमंच के विकासक्रम को चिह्नित कर सकेगा।

CLO-3. नाटक के स्वरूप को विवेचित कर सकेगा।

CLO-4. रंगमंच के स्वरूप को विवेचित कर सकेगा।

CLO-5. हिंदी के प्रमुख नाटककारों, रंगनिर्देशकों और रंग संस्थाओं को पहचान सकेगा।

CLO-6. नाटक के तत्वों के आधार पर नाटकों का विवेचन कर सकेगा।

CLO-7. नाटकों की रंगमंचीयता का निरीक्षण कर सकेगा।

इकाई-1

- नाटक एवं रंगमंच का सामान्य परिचय :
  - नाटक का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, नाटक की संरचना
  - रंगमंच का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, रंगमंच की सृजन प्रक्रिया
- भारतीय एवं पाश्चात्य रंगदृष्टि
- हिंदी नाटक और रंगमंच के विकास की यात्रा (1960 तक)
- नाटक और रंगमंच का अंत: संबंध

इकाई -2

- हिंदी नाटक और रंगमंच के विकास की यात्रा (1960 के बाद)
- प्रमुख समकालीन हिंदी नाटककार
- प्रमुख रंग संस्थाएँ
- प्रमुख रंग निर्देशक
- विविध रंग शैलियाँ

इकाई-3

- भारत दुर्दशा:भारतेन्दु हरिश्चंद्र
- ध्रुवस्वामिनी: जयशंकर प्रसाद
- अंधायुग: धर्मवीर भारती

इकाई-4

- आषाढ़ का एक दिन: मोहन राकेश
- सुनो शेफाली : कुसुम कुमार
- कोमल गांधार: शंकर शेष

सहायक ग्रन्थ

- दशरथ ओझा — हिंदी नाटक का उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन
- नरनारायण राय — हिंदी नाटक यात्रा दशक, राजकमल प्रकाशन
- नरनारायण राय — हिंदी नाटक सन्दर्भ और प्रकृति, राजकमल प्रकाशन
- महेश आनंद — जयशंकर प्रसाद: रंगदृष्टि नाटक के लिए रंगमंच-1, राजकमल प्रकाशन
- महेश आनंद — जयशंकर प्रसाद: रंगमंच के लिए नाटक-2, राजकमल प्रकाशन
- जयदेव तनेजा — नाट्य विमर्श, राजकमल प्रकाशन
- जयदेव तनेजा — हिंदी रंगकर्म दशा और दिशा, तक्षशिला प्रकाशन
- जयदेव तनेजा — समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच, तक्षशिला प्रकाशन
- नेमिचन्द्र जैन — रंगदर्शन, तक्षशिला प्रकाशन
- गोविन्द चातक — नाटक की संरचना, तक्षशिला प्रकाशन

PHNTA30103 शोधप्रविधि

इकाई : 02

क्रेडिट : 02

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक – 50

- **आंतरिक मूल्यांकन 20 (संगोष्ठी/शैक्षिकी/आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगीं)**
- **सत्रांत परीक्षा 30**

Prerequisite Course/Knowledge

1. **शोध प्रविधि का परिचयात्मक ज्ञान।**

Course Learning Outcome (CLOS)

2. **इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यो को पूरा करने में सक्षम होगा –**

CLO-1. शोध के विविध पदों को परिभाषित कर सकेगा।

CLO-2. शोध के विविध प्रकारों को चिह्नित कर सकेगा।

CLO-3. शोध प्रक्रिया को विवेचित कर सकेगा।

CLO-4.शोध के विविध सोपानों की पहचान कर सकेगा।

CLO-5. शोध में प्रयुक्त विविध पदावलियों का उदाहरण सहित निरीक्षण कर सकेगा।

इकाई -1

- शोध: अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य और महत्त्व
- शोध का उद्देश्य और महत्त्व
- शोध के प्रकार:
    - लोकतात्विक शोध
    - तुलनात्मक शोध
    - पाठनुसंधान

इकाई -2

- शोध परिकल्पना, विषय सर्वेक्षण, विषय चयन तथा रूपरेखा निर्माण
- सामग्री संकलन, विषय वर्गीकरण, विश्लेषण एवं संयोजन
- पाद टिप्पणी और उद्धरण, ग्रंथ सूची निर्माण विधि

सहायकग्रंथ

1. उमा पाण्डेय शोध प्रस्तुति, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
2. राजमल बोरा, अनुसंधान प्रविधि और क्षेत्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. बैजनाथ सिंहल, शोध स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि- वाणी प्रकाशन,दिल्ली
4. एस,एन,गणेशन अनुसंधान प्रविधि सिद्धांत और प्रक्रिया, लोकभारती इलाहाबाद
5. डॉ.नगेंद्र शोध और सिद्धांत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिली

PHNTD30201 हिंदी सिनेमा और साहित्य

इकाई : 03

क्रेडिट : 03

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक 75

- **आंतरिक परीक्षा अंक 30 (संगोष्ठी/शैक्षिकी/आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगीं)**
- **सत्रांत परीक्षा 45**

Prerequisite Course/Knowledge

1. **सिनेमा का परिचयात्मक ज्ञान और अभिरूचित-साहित्य आधिरित सिनेमा का परिचयात्मक ज्ञान।**

Course Learning Outcome (CLOS)

2. **इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा–**

CLO-1. सिनेमा के विविध पक्षों को परिभाषित कर पाएगा।

CLO-2. सिनेमा और साहित्य के अंतर्संबंध को चिह्नित कर सकेगा।

CLO-3. फिल्म के निर्माण, पटकथा लेखन, समीक्षा को विवेचित कर सकेगा।

CLO-4. सिनेमाई आस्वादन से संबंधित विविध प्रवृतियों की पहचान कर सकेगा।

CLO-5. साहित्य आधारित सिनेमा के लेखक, निर्देशक, रूपांतरण की प्रक्रिया का उदाहरण सहित निरीक्षण कर सकेगा।

इकाई-1

- सिनेमा का संक्षिप्त परिचय और इतिहास
- कला साहित्य और सिनेमा
- साहित्य (भाषा और विधा पर) आधारित हिन्दी सिनेमा
- साहित्य और सिनेमा अंतर्संबंध

इकाई-2

- फिल्म कैसे बनती है (पटकथा, कास्ट एंड क्रू, सिनेमेटोग्राफी और शूटिंग, साउंड रिकार्डिंग एडिटिंग, फ़ंडिंग, निर्माण, वितरण और वित्तीय पक्ष निर्देशन)
- पटकथा लेखन के मूल सिद्धान्त
- सिनेमा समीक्षा के प्रमुख तत्व
- सिनेमा के प्रकार (पॉपुलर और सार्थक) एवं विभिन्न रूप (जॉनर)

इकाई -3

- साहित्य आधारित सिनेमा के प्रसिद्ध निर्देशक (ऑथर)
- सिनेमाई जगत में हिन्दी के साहित्यकार
- साहित्य का सिनेमाई रुपांतरण
- सिनेमाई रूपांतरण का अध्ययन (किन्ही तीन का)
  - ➢ **कहानी :**
    - **शतरंज के खिलाड़ी /सद्गति/ उसकी रोटी/ दुविधा/ पहेली/दामुल/कोईअन्य**
  - ➢ **उपन्यास :**
    - **गोदान/सूरज का सातवाँ घोडा/मोहल्ला अस्सी/ जुनून/ द ब्लू अम्ब्रेला/ रजनीगंधा**
  - ➢ **नाटक :**
    - **घरौंदा/ आषाढ़ का एक दिन/ कोई अन्य**
  - ➢ **कविता :**
    - **सतह से उठता हुआ आदमी/बादल द्वार / कोई अन्य**

सहायक ग्रंथ

1. सिन्हा कुलदीप — पटकथा लेखन के तत्व, चित्रश्रम प्रकाशन, मुंबई, 2002
2. जोशी मनोहर श्याम — पटकथा लेखक परिचय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2000
3. भण्डारी मन्नू — कथापटकथा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 2013
4. वजाहत असग़र — व्यावहारिक निर्देशिका, पटकथा लेखन राजकमल प्रकाशन, 2011
5. पांडे राजेंद्र — पटकथा कैसे लिखें, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. तिवारी सुरेन्द्रनाथ — शतरंज के खिलाड़ी मध्यप्रदेश फिल्म विकास निगम मर्यादित, भोपाल
7. तिवारी सुरेन्द्रनाथ — भारतीय नया सिनेमा अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स 1996
8. रज़ा राही मासूम — सिनेमा और संस्कृति, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. नागर अमृतलाल — फिल्म राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. श्रीनेत दिनेश — पश्चिम और सिनेमा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
11. जोशी बॉलीवुड पाठ — राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
12. बाजपेयी उदयन — अभेद आकाश, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
13. भारद्वाज विनोद — सिनेमाकल, आज और कल राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
14. भारद्वाज विनोद — समय और सिनेमा, प्रवीण प्रकाशन, नई दिल्ली 1994
15. मृत्युंजय (संपादक) — सिनेमा के सौ बरस शिल्पायन, नई दिल्ली, 2003

PHNTD30202 प्रयोजनमूलक हिंदी

इकाई : 03

क्रेडिट : 03

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक 75

- **आंतरिक मूल्यांकन 30 संगोष्ठी/ शैक्षिकी/ आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन अपनाई जाएगी।)**
- **सत्रांत परीक्षा 45**

Prerequisite Course/Knowledge

1. **हिंदी के प्रयोजनमूलक पक्ष की आधारभूत जानकारी तथा भाषा के विभिन्न क्षेत्रों में प्रयोग के प्रति रुचि।**

Course Learning Outcome (CLOS)

2. **इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा–**

CLO-1. प्रयोजनमूलक हिंदी के स्वरूप, क्षेत्र और उपयोगिता को चिह्नित कर सकेगा।

CLO-2. राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति को परख सकेगा।

CLO-3. प्रयोजनमूलक भाषा और भाषा प्रयुक्ति को परिभाषित कर सकेगा।

CLO-4. हिंदी की प्रमुख प्रयुक्तियों को विवेचित कर सकेगा।

CLO-5. हिंदी की विभिन्न प्रयुक्तियों में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली का निरीक्षण कर सकेगा।

इकाई 1

- प्रयोजनमूलक हिंदी– अर्थ, परिभाषा और महत्त्व
- प्रयोजनमूलक हिंदी– क्षेत्र, विशेषताएँ, उपयोगिता
- भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना और प्रयोजनमूलक हिंदी

इकाई 2

- हिंदी की प्रमुख प्रयुक्तियाँ : सामान्य परिचय
- हिंदी की प्रयुक्तियाँ और पारिभाषिक शब्दावली
- पारिभाषिक शब्दावली : अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ, आवश्यकता और महत्त्व, निर्माण के सिद्धांत

इकाई-3

- कार्यालय हिंदी : स्वरूप और क्षेत्र
- भारतीय संविधान में हिंदी, राजभाषा हिंदी के नियम
- कार्यालयी पत्राचार के प्रकार, कार्यालयी हिंदी की विशेषताएँ, टिप्पणी व मसौदा लेखन के सिद्धांत।

सहायक ग्रन्थ

- विनोद गोदरे, प्रयोजनमूलक हिंदी, वाणी प्रकाशन दिल्ली
- छंगल झाल्टे प्रयोजनमूलक हिंदी, सिद्धांत और प्रयोग वाणी प्रकाशन दिल्ली
- कैलाश चन्द्र भाटिया राजभाषा हिंदी, वाणी प्रकाशन दिल्ली
- डॉ किशोर वासवानी राजभाषा हिंदी विवेचना और प्रयुक्ति, वाणी प्रकाशन दिल्ली
- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं भोलानाथ तिवारी व्यवहारिक हिंदी, वाणी प्रकाशन दिल्ली
- कृष्ण कुमार गोस्वामी व्यवहारिक हिंदी और रचना, वाणी प्रकाशन दिल्ली
- महेशचन्द्र गुप्त प्रशासनिक हिंदी, वाणी प्रकाशन दिल्ली

Annexure IV

कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय

5thBOS(2021) हिंदी एम.ए. पाठ्यक्रम 2021-2022 से प्रभावी

चतुर्थ सत्र			
20	PHNTC40013	4	हिन्दी मीडिया और पत्रकारिता
21	PHNTC40014	4	भारतीय और विश्व साहित्य
22	PHNTC40015	4	हिन्दी का कथेतर साहित्य
23	PHNTC40016	6	डिजर्टेशन
24	PHITD40203		हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श
25	PHNTD40204	3	हिंदी साहित्य में दलित विमर्श
26	PHNTD40205		हिंदी साहित्य में वृद्ध विमर्श
	TOTAL	21	

चतुर्थ सत्र

PHNTC400013 हिंदी मीडिया और पत्रकारिता

इकाई : 04

क्रेडिट : 04

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक 100

- **आंतरिक मूल्यांकन 40 (संगोष्ठी/शैक्षिकी/आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगी)**
- **सत्रांत परीक्षा 60**

Prerequisite Course/Knowledge

1. **हिंदी मीडिया और पत्रकारिता में अभिरुचि और परिचयात्मक जानकारी ।**

Course Learning Outcome (CLOS)

2. **इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वकपूर्ण करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा–**

CLO-1. पत्रकारिता के विकासक्रम को चिह्नित कर सकेगा।

CLO-2. हिंदी पत्रकारिता के विकासक्रम को चिह्नित कर सकेगा।

CLO-3. समाचार के स्वरूप को विवेचित कर सकेगा।

CLO-4. संपादन कला के स्वरूप को विवेचित कर सकेगा।

- **CLO-5. पत्रकारिता में संपादकीय, फीचर, रिपोतार्ज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता को पहचान सकेगा।**

CLO-6. पत्रकारिता में इलेक्ट्रानिक, प्रिंट मीडिया, प्रेस, प्रेस कानून तत्वों के आधार पर पत्रकारिता का विवेचन कर सकेगा।

CLO-7. सूचना एवं प्रौद्योगिकी के बारे में आधारभूत जानकारी प्राप्त कर सकेगा।

इकाई 1

- पत्रकारिता का स्वरूप और प्रकार
- विश्व पत्रकारिता, भारत में पत्रकारिता का आरंभ, हिंदी पत्रकारिता का इतिहास

इकाई-2

- समाचार पत्र के मूल तत्व : समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम
- संपादन कला के सामान्य सिद्धांत : शीर्षीकरण, पृष्ठ विन्यास, आमुख और समाचार की प्रस्तुति प्रक्रिया

इकाई 3

- दृश्य सामग्री कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता
- समाचार के विभिन्न स्त्रोत
- पत्रकारिता से संबंधित लेखन: संपादकीय, फीचर, रिपोतार्ज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन

इकाई-4

- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता:रेडियो, टीवी, मल्टी मीडिया और इंटरनेट,
- पत्रकारिता का प्रबंधन : प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था
- भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार सूचनाधिकार, मानवाधिकार
- मुक्त प्रेस की अवधारणा
- प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी

सहायक ग्रन्थ:

1. सुरेश गौतम — हिंदी पत्रकारिता : कल आज और कल, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
2. डॉ.कृष्ण बिहारी मिश्र — हिंदी पत्रकारिता, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
3. डॉ. पृथ्वीराज पांडेय — पत्रकारिता परिवेश और प्रवृत्तियाँ, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
4. डॉ.अर्जुन तिवारी — जनसंचार एवं हिंदी पत्रकारिता, जयभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
5. डॉ.सूर्यनारायण दीक्षित — वृहद हिंदी पत्रकारिता कोश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

PHNTC40014 भारतीय और विश्व साहित्य

इकाई :04

क्रेडिट :04

अंक विभाजन तथा मूल्याकंन

कुल अंक 100

- **आंतरिक मूल्यांकन 40 (संगोष्ठी/ शैक्षिकी/ अंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्याकंन पद्धति अपनाई जाएगीं)**
- **सत्रांत परीक्षा 60**

Prerequisite Course/Knowledge

1. **भारतीय और विश्व साहित्य में अभिरूचि और परिचयात्मक जानकारी**

Course Learning Outcome (CLOS)

2. **इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा–**

CLO-1. भारतीय साहित्य की अवधारणा को परिभाषित कर सकेगा।

CLO-2.विश्व साहित्य की अवधारणा को परिभाषित कर सकेगा।

CLO-3.भारतीय साहित्य और विश्व साहित्य के स्वरूप को पहचान सकेगा।

CLO-4. भारतीयऔर विश्व साहित्य की प्रवृत्तियों का विवेचन कर सकेगा।

CLO-5. विश्व साहित्य के अंर्तगत साहित्यिक और साहित्येतर विधाओं के वैविध्य का निरीक्षण कर सकेगा।

इकाई 1

- भारतीय साहित्य: अवधारणा, स्वरूप व विशेषताएँ
- भारतीय साहित्य का इतिहास: संक्षिप्त परिचय
- कन्नड़ साहित्य- उपन्यास: संस्कार- यू.आर.अंनतमूर्ति
- तमिल साहित्य- कविता: सुब्रह्मण्यम् भारती
- तेलगु साहित्य- कविता: श्री / मलयालम

इकाई-2

- मराठी साहित्य- नाटक: घासीराम कोतवाल-विजय तेंदुलकर
- बंगला साहित्य- रवींद्रनाथ टैगोर- निबंध
- कश्मीरी साहित्य - कहानी: दाँता किल किल- अख़्तर मुहीउद्दीन

- गुजराती साहित्य- कहानी: सौगंध-सरोज पाठक
- मणिपुरी साहित्य-कविता: जमीन में दबा व्यतीत- रतन थियम
- उडिया/पंजाबी

इकाई-3

- **विश्व साहित्य: संक्षिप्त परिचय**
- **कितनी ज़मीन- लियो टालस्टॉय**
- **कहानी**
- **आईना- हारुकी मुरकामी**
- **मृतकों का मार्ग- चिनुआ अचेबे**
- **गाँव में कुछ बहुत बुरा होने वाला है - गाब्रिएल गाखिया मार्केज़**
- **नाटक**
- **मैकबेथ/हैमलेट (चयनित अंश) - शेक्सपियर**

इकाई 4

- **कविता**
- **यातनाएँ विस्तावा एवं सिंखोंस्की**
- **मेरी माँ के लिए - एडगर एलन पो**
- **प्रकाश हाँपता है तुम्हे - पाब्सो नेरुदा**
- **कोहरे में- हरमन हेस्स**
- **कथेतर**
- **घुमक्कड़ी न भूलें- कैपटीन रूनी**
- **आत्मकथा (अंश)**
- **ए वेरी रजी डेथ- सिमोन द बोउवार**
- **भाषण**
- **नोखेल भाषण- जदीर गार्डिमर**
- **विमर्श**
- **अफ्रीकी साहित्य और विज्ञता का भविष्य- न्युगी वा ध्योंगो**

सहायक ग्रंथ

1. सियाराम तिवारी — भारतीय साहित्य की पहचान, वाणी प्रकाशन दिल्ली
2. डॉ. आर.टी. संथी एवं — भारतीय साहित्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. डॉ. प्रकाश ए
4. रामविलास शर्मा — भारतीय साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. डॉ. हेमंत कुकरेती, — भारतीय और विश्व साहित्य सतीश बुक डिपो
6. स्वाति परमार
7. डॉ. नगेद्र — भारतीय काव्य में सर्वधर्म संभाव्य, वाणी प्रकाशन दिल्ली

PHNTC40015 हिंदी का कथेतर साहित्य

इकाई : 04

क्रेडिट : 04

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक 100

- **आंतरिक मूल्यांकन 40 (संगोष्ठी/ शैक्षिकी/ आंतरिक परीक्षा के माध्यम से मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगी)**
- **सत्रांत परीक्षा 60**

Prerequisite Course/Knowledge

1. **हिंदी के कथेतर साहित्य का परिचयात्मक ज्ञान।**

Course Learning Outcome (CLOS)

2. **इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा–**

CLO-1. कथेतर साहित्य के विविध रूपों के स्वरूप, क्षेत्र और उपयोगिता को चिह्नित कर सकेगा।

CLO-2. कथेतर साहित्य की विविधता को परख सकेगा।

CLO-3. कथेतर साहित्य के विविध रूपों के अंतर्गत संबद्ध कृतियों की विवेचना कर सकेगा।

CLO-4. कथेतर साहित्य की प्रमुख विविधताओं को परिभाषित कर सकेगा।

CLO-5. कथेतर साहित्य के अंतर्गत आनेवाली रचनाओं के वैविध्य का निरीक्षण कर सकेगा।

इकाई 1

- निबंध के प्रमुख तत्व एवं प्रतिनिधि निबंधकार
- भारतवर्षोंअति कैसे हो सकती है- (भारतेंदु)
- शिवशम्भू के चिट्ठे (बालकृष्ण भट्ट)
- कविता क्या है (रामचंद्र शुक्ल)
- नानून क्यों बढ़ते हैं (हजारी प्रसाद द्विवेदी)
- कहो कैसा रंग है- (विद्यानिवास मिश्र)
- व्यंग्य साहित्य इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर (हरिशंकर परसाई)

इकाई-2

- **रेखाचित्र** घीगा (महादेवी वर्मा)
- **संस्मरण** गुरुजी की बेती-बारी (विश्वनाथ त्रिपाठी)

- **पत्र** अज्ञेय पत्रावली से

इकाई-3

- **जीवनी** प्रेमचंद घर में (शिवरानी देवी)
- **आत्मकथा साहित्य** अपनी खबर (पांडेय बेचैन शर्मा 'उग्र')

इकाई-4

- **यात्रावृत्त** यह भी कोई देस है महराज (अनिल यादव)
- **रिपोतार्ज** ऋणजल धनजल(कुत्ते की आवाज़,भूमिदर्शन की भूमिका) फणीश्वरनाथ रेणु
- **डायरी** अब्र क्या चीज़ है? हवा क्या चीज़ है? (कृष्ण बलदेव वैद)
- **साक्षात्कार** श्री राम टिकेकर द्वारा प्रेमचंद का साक्षात्कार

सहायक ग्रन्थ

- दयानिधि मिश्र — हिंदी का कथेतर गद्य परम्परा और पर्याय वाणी प्रकाशन प्रकाश उदय
- डॉ. विजेंदर — अग्निहोत्री हिंदी साहित्य का निकष बुक रिवर
- सं. शोभाकांत कथेतर गद्य – नागार्जुन, वाणी प्रकाशन दिल्ली
- शिवरानी देवी — प्रेमचंद घर में
- कृष्ण बलदेव वैद — अब्र क्या चीज़ है ? हवा क्या चीज़ है ?
- पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' — अपनी खबर

PHNTD40203 हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श

इकाई : 04

क्रेडिट : 04

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक 100

- **आंतरिक मूल्यांकन 40 (संगोष्ठी/शैक्षिकी/आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगीं)**
- **सत्रांत परीक्षा 60**

Prerequisite Course/Knowledge

1. स्त्री विमर्श की आधारभूत जानकारी और स्त्री संवेदना का परिचयात्मक ज्ञान।

Course Learning Outcome (CLOS)

2. इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा –

CLO-1. स्त्री विमर्श की अवधारणा को परिभाषित कर सकेगा।

CLO-2. स्त्री विमर्श के महत्त्व को पहचान सकेगा।

CLO-3. स्त्री मुक्ति आंदोलन के इतिहास का निरीक्षण कर सकेगा।

CLO-4. हिंदी पद्य को स्त्री विमर्श के संदर्भों में विश्लेषित कर सकेगा।

CLO-5.हिंदी कहानियों का स्त्री विमर्श की दृष्टि से विश्लेषण कर सकेगा।

CLO-6. हिंदी उपन्यासों और आत्मकथा साहित्य का स्त्री विमर्श की दृष्टि से विश्लेषण कर सकेगा।

CLO-7. हिंदी साहित्य में अभिव्यक्त स्त्री प्रश्नों/ समस्याओं का विवेचन कर सकेगा।

इकाई-1

- स्त्री विमर्श: अवधारणा, स्वरूप एवं महत्त्व
- स्त्री विमर्श और नारीवाद
- स्त्री मुक्ति आंदोलन का इतिहास भारतीय समाज में स्त्री की बदलती स्थिति
- स्त्री प्रश्न और संबंधी कानूनी प्रावधान

इकाई-2

- प्रमुख कवयित्रियों की कुछ चुनी हुई कविताएँ
  - कात्यायनी- इस स्त्री से डरो
  - अनामिका- स्त्रियाँ

निर्मला पुतुल- उतनी दूर न ब्याहना बाबा
सविता जैन- पानी
सविता सिंह- अद्वितीय नाच

- विशेष अध्ययन

कुसुम कुमार- सुनो शेफाली (नाटक)

इकाई-3

- प्रमुख लेखिकाओं की कुछ चुनी हुई कहानियों

कृष्णा सोबती- सिक्का बदल गया
मैत्रेयी पुष्पा- छुटकारा
ममता कालिया- वसंत सिर्फ एक तारीख है
चित्र मुद्गल- प्रेतयोनि
मन्नू भंडारी- त्रिशंकु/ रानी का चबूतरा
नासिरा शर्मा/मेहरून्नीसा परवेज़

- विशेष अध्ययन

➢ श्रृंखला की कड़ियाँ (निबंध) महादेवी वर्मा

इकाई-4

➢ अन्या से अनन्या (आत्मकथा) प्रभा खेतान

➢ मृदुला गर्ग (उपन्यास) कठगुलाब

सहायक ग्रंथ

1. क्षमा शर्मा — बाजार के बीच बाजार के खिलाफ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. राधाकुमार — स्त्री संघर्ष का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. एस.मालती — स्त्री विमर्श के भारतीय परिपेक्ष्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. सिमोन द बोउवार — स्त्री उपेक्षिता, हिंदी पॉकेट बुक हाउस, दिल्ली
5. रमणिका गुप्ता — स्त्री विमर्श शिल्पायन दिल्ली
6. जगदीश चतुर्वेदी — स्त्री साहित्य विमर्श अनामिका पब्लिशर्स
7. विमल थोरात — दलित साहित्य का स्त्रीवादी स्वर अनामिका पब्लिशर्स
8. रजतरानी मीनू — दलित कथा साहित्य अवधारणा और विधाएँ अनामिका पब्लिशर्स

PHNTD40204 हिंदी साहित्य में दलित विमर्श

इकाई : 04

क्रेडिट : 04

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक 100

- **आंतरिक परीक्षा अंक 40(संगोष्ठी/शैक्षिकी/आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगीं)**
- **सत्रांत परीक्षा 60**

Prerequisite Course/Knowledge

3. **दलित विमर्श की आधारभूत जानकारी और दलित संवेदना का परिचयात्मक ज्ञान।**

Course Learning Outcome (CLOS)

4. **इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा–**

CLO-1. दलित साहित्य की अवधारणा को परिभाषित कर सकेगा।

CLO-2. दलित साहित्य की प्रासंगिकता और महत्त्व को पहचान सकेगा।

CLO-3. हिंदी के दलित साहित्य के प्रमुख रचनाकारों को चिह्नित कर सकेगा।

CLO-4. दलित विमर्श की दृष्टि से हिंदी आत्मकथा साहित्य का विवेचन कर सकेगा।

CLO-5. दलित विमर्श की दृष्टि से हिंदी कहानी साहित्य का विश्लेषण कर सकेगा।

CLO-6. हिंदी साहित्य में अभिव्यक्त दलित संवेदना को विवेचित का सकेगा।

इकाई-1

- दलित साहित्य : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
- दलित साहित्य : अवधारणा, परंपरा एवं प्रासंगिकता
- दलित साहित्य आंदोलन एवं आधार स्त्रोत
- दलित संवेदना एवं दलित विमर्श मान्यता एवं प्रतीतियाँ
- दलित साहित्य समीक्षा एवं प्रतिबद्धता

इकाई- 2

- दलित साहित्य प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ
- ओमप्रकाश वाल्मीकि,मोहनदान नैमिशराय, रतनकुमार साभारिया

- श्यौराजसिंह बेचैन, जयप्रकाश कर्दम, सूरजपाल चौहान
- अजय नावरिया, सुशीला टाकभौरे,अनीता भारती

इकाई- 3

- विशिष्ट रचना अध्ययन (आत्मकथा)
  जूठन: ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन- दिल्ली

इकाई - 4

- विशिष्ट रचना अध्ययन
  नई सदी की पहचान श्रेष्ठ दलित कहानियाँ
  सं. मुद्राराक्षस, लोक भारती प्रकाशन, नई दिल्ली
  (आरंभिक आठ कहानियाँ अध्ययन के लिए निर्धारित है)

सहायक ग्रंथ

1. शरण कुमार लिम्बाले दलित विमर्श का सौन्दर्शास्त्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. डॉ.श्यौराजसिंह 'बेचैन', दलित दखल, आकाश प्रकाशन एंड डी. लोनी गाजियाबाद
   डॉ.रजत
3. डॉ.जयप्रकाश कर्दम दलित विमर्श साहित्य के आइने में, साहित्य, संस्थान, गाजियाबाद

Annexure-IV

कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय

5thBOS(2021) पी.एच.डी. हिंदी पाठ्यक्रम 2021-2022 से प्रभावी

पीएच.डी

SL.NO	Code	Total credit	Title of the Paper
1.	**DHNTC10001**	4	अनुसंधान की प्रविधि
2.	**DHNTC10002**	4	साहित्य अध्ययन की आलोचनात्मक दृष्टियाँ -1
3.	**DHNTC10003**	4	साहित्य अध्ययन की आलोचनात्मक दृष्टियाँ -2
		12	
	TOTAL		

पी.एच.डी. प्रश्न पत्र -1

DHITC10001 अनुसंधान की प्रविधि

इकाई : 04

क्रेडिट : 04

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक – 100

- **आंतरिक मूल्यांकन 40 (संगोष्ठी/शैक्षिकी/आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगीं।)**
- **सत्रांत परीक्षा 60**

Prerequisite Course/Knowledge

1. **स्नातकोत्तर स्तर पर शोध की आधारभूत जानकारी तथा अनुभव।**

Course Learning Out Come (CLOS)

2. **इस पाठ्यक्रम को सफलता पूर्वक करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा –**

CLO-1. हिंदी अनुसंधान और संबंधित पदावली को परिभाषित कर सकेगा।

CLO-2. अनुसंधान के प्रकार और विभिन्न पद्धतियों को चिह्नित कर सकेगा।

CLO-3. अनुसंधान में अंतर्विद्यावर्ती अध्ययन के विविध रुपों को विवेचित कर सकेगा।

CLO-4. अनुसंधान की प्रक्रिया के विभिन्न चरणों की पहचान कर सकेगा।

CLO-5. उद्धरण पद्धति, शोध पत्र लेखन, प्रविधि, थीसिस फ़ॉर्मेटिंग आदि पद्धतियों का निरीक्षण कर सकेगा।

इकाई -1

- अनुसंधान : अर्थ, परिभाषा, आवश्यकता और महत्त्व
- अनुसंधान और आलोचना,अंतरविद्यावर्ती अध्ययन
- साहित्यिक अनुसंधान और वैज्ञानिक अनुसंधान में साम्य और वैषम्य
- अनुसंधान की पात्रता, निर्देशक की पात्रता

इकाई -2

- अनुसंधान में प्राक्कल्पना,कल्पना,विपरीत कल्पना एवं परिकल्पना
- अनुसंधान में तथ्य और सत्य
- अनुसंधान की विभिन्न पद्धतियाँ

- अनुसंधान के प्रकार

  - ऐतिहासिक अनुसंधान, तुलनात्मक अनुसंधान ,व्याख्यात्मक अनुसंधान, भाषावैज्ञानिक अनुसंधान, पाठानुसंधान, लोकतात्विक अनुसंधान

इकाई -3

- अनुसंधान की प्रक्रिया : विषयचयन, साहित्य पुनरावलोकन, रूपरेखा, सामग्री संकलन, परीक्षण और वर्गीकरण,विश्लेषण-विवेचन–निष्कर्ष, प्रबंध का प्रस्तुतिकरण
- उद्धरण,पाद टिप्पणियाँ और संदर्भ सूची
- Citation पद्धति– MLA,API,CHICAGO
- शोधपत्र लेखन पद्धति

इकाई -4

- अनुसंधान और आचार : संबंधित नियम और plagiarism (साहित्यिक चोरी)
- अनुसंधान और कंप्यूटर: थीसिस फॉर्मेटिंग (Thesis Formatting)
- अनुसंधान में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन ई-संसाधनों का उपयोग

सहायक ग्रंथ

1) डॉ. रवीन्द्र कुमार — जैन साहित्यिक अनुसंधान के आयाम, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
2) डॉ.विनयमोहन शर्मा — शोध प्रविधि, नेशनल पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली
3) विजयपाल सिंह — हिन्दी अनुसंधान, लोकभारती इलाहाबाद, 1990
4) राजमलबोरा — अनुसंधान प्रविधि और क्षेत्र, राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली
5) बैजनाथ सिंहल — शोध स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6) एस.एन.गणेशन — अनुसंधान प्रविधि-सिद्धांत और प्रक्रिया, लोकभारती इलाहाबाद

पी.एच.डी. प्र.प 2

DHITC10002 साहित्यिक अध्ययन की आलोचनात्मक दृष्टियाँ – 1

इकाई : 4

क्रेडिट : 4

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक 100

- **आंतरिक मूल्यांकन 40 (संगोष्ठी / शैक्षिकी / आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगीं l)**
- **सत्रांत परीक्षा 60**

CLO-1. हिंदी आलोचना के विभिन्न सिद्धांतों की जानकारी प्राप्त कर सकेगा।
CLO-2. हिंदी आलोचना की विभिन्न पद्धतियों को चिह्नित कर सकेगा।
CLO-3. सैद्धांतिक आलोचना के विविध रूपों को विवेचित कर सकेगा।
CLO-4. व्यवहारिक आलोचना के विभिन्न चरणों की पहचान कर सकेगा।
CLO-5. हिंदी आलोचना की विभिन्न पद्धतियों आदि का निरीक्षण कर सकेगा।

इकाई : 1

- आलोचना
- रसवादी आलोचना दृष्टि

इकाई : 2

- ऐतिहासिक आलोचना दृष्टि – इतिहास और रचना का संबंध, रचना काल और रचना में व्यक्तकाल (तेन के विशेष संदर्भ में)
- मनोविश्लेषणवादी आलोचना दृष्टि

इकाई : 3

- शैली वैज्ञानिक आलोचना दृष्टि
- मिथकीय आलोचना दृष्टि

इकाई : 4

- व्यवहारिक पक्ष : छात्र इसमें से किसी एक दृष्टि से किसी एक रचना की आलोचना करेगा

सहायक पुस्तकें:

1. आनंद प्रकाश दीक्षित — आलोचना प्रक्रिया और स्वरूप, नेशनल पब्लिशिंग दिल्ली
2. डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त: — रस सिद्धांत का पुनर्विचार, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
3. निर्मला जैन — रस सिद्धांत और सौंदर्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली

पी.एच.डी प्र.प- 3

DHITC10003 साहित्य अध्ययन की आलोचनात्मक दृष्टि-2

इकाई : 04

क्रेडिट : 04

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक 100

आंतरिक मूल्यांकन 40 (संगोष्ठी/शैक्षिकी/आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगीं)

सत्रांत परीक्षा 60

CLO-1. हिंदी आलोचना के विभिन्न सिद्धांत की जानकारी प्राप्त कर सकेगा।

CLO-2. हिंदी आलोचना की विभिन्न पद्धतियों को चिह्नित कर सकेगा।

CLO-3. सैद्धांतिक आलोचना के विविध रूपों को विवेचित कर सकेगा।

CLO-4. व्यवहारिक आलोचना के विभिन्न चरणों की पहचान कर सकेगा।

CLO-5. हिंदी आलोचना की विभिन्न पद्धतियों आदि का निरीक्षण कर सकेगा।

इकाई-1

- समाजशास्त्रीय आलोचना दृष्टि
  - अर्थ, स्वरूप, महत्त्व, समस्याएँ
- रूपवादी आलोचना दृष्टि
  - अर्थ ,स्वरूप, साहित्य में उसका महत्त्व
  - रूपवाद और भाषा विज्ञान, रूसी रूपवाद
  - नव्यरूपवादी दृष्टि

इकाई--2

- मार्क्सवादी आलोचना दृष्टि
  - स्वरूप, परिभाषा
  - साहित्य और समाज
- सौन्दर्यशास्त्रीय आलोचना दृष्टि
  - स्वरूप ,सौन्दर्य ,कल्पना ,बिम्ब ,प्रतीक

इकाई--3

- नए विमर्श: संरचनावाद और उत्तर संरचनावाद
  - ➢ अर्थ, स्वरूप, महत्त्व, आलोचना दृष्टि
- स्त्री विमर्श :
  - ➢ अर्थ, स्वरूप, स्त्रीवादी पाठ, समीक्षा का महत्त्व
- दलित विमर्श, पारिस्थितिकी विमर्श, आदिवासी विमर्श
  - ➢ अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, महत्त्व, सैद्धांतिक मानदंड, न्याय की तलाश

इकाई- -4

व्यवहारिक पक्ष (छात्र इनमें से किसी एक दृष्टि से किसी एक रचना की आलोचना करेंगे)

सहायक ग्रन्थ

1. श्यामसुन्दरदास मार्क्सवादी कलाचिंतक और चिंतन, नेशनल पब्लिशिंग हॉउस दिल्ली
2. शिवकुमार मिश्र मार्क्सवादी साहित्य चिंतन, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
3. कुँवरपाल सिंह साहित्य समीक्षा और मार्क्सवाद, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
4. निर्मला जैन रस सिद्धांत और सौंदर्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
5. सुधीश पचौरी आलोचना से आगे: वाणी प्रकाशन नई दिल्ली

Annexure-V

कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय

5thBOS(2021) यू.जी. इलेक्टिव पाठ्यक्रम 2021-2022 से प्रभावी

SL.No	Code	Total Credit	Title of paper
			प्रथम सत्र
1	UHNTGE10301	6	हिंदी भाषा और साहित्य का परिचय
			द्वितीय सत्र
2	UHNTGE20302	6	हिंदी कविता और गद्य के विविध रूप
			तृतीय सत्र
3	UHNTGE30303	6	हिंदी गद्य के विविध रूप
	TOTAL	**18**	

UHNTGE10301 हिंदी भाषा और साहित्य का परिचय

An Introduction to Hindi Language and Literature

इकाई : 06

क्रेडिट : 06

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक 150

- **आंतरिक मूल्यांकन 60 (संगोष्ठी/शैक्षिकी/आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगीं।)**
- **सत्रांत परीक्षा 90**

Prerequisite Course/Knowledge

1. **हिंदी कविता और गद्य साहित्य के विविध रूपों की प्रासंगिक आधारभूत जानकारी, हिंदी कविता का काल विभाजन, प्रतिनिधि रचनाकार तथा रचनाएँ, हिंदी गद्य साहित्य के प्रमुख लेखक और उनकी कृतियों की जानकारी।**

Course Learning Out Come (CLOS)

2. **इस पाठ्यक्रम को सफलता पूर्वक करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा –**

CLO 1- हिंदी भाषा तथा बोलियाँ, उसके विविध रूपों और क्षेत्रों को पहचान सकेगा।

CLO-2. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा को चिह्नित कर सकेगा।

CLO-3. हिंदी साहित्य के इतिहास के विभिन्न कालखंडों का विश्लेषण कर सकेगा।

CLO-4. हिंदी साहित्य के इतिहास को स्पष्ट रूप से परिभाषित कर सकेगा।

CLO-5. आदिकालीन, मध्यकालीन तथा आधुनिक काल और समकालीन हिंदी गद्य-पद्य साहित्य की विशेषताओं को पहचान सकेगा।

इकाई – 1 हिंदी भाषा

- हिंदी भाषा क्षेत्र एवं बोलियाँ
- हिंदी के विविध रूप, संपर्क भाषा, राजभाषा, बोलचाल की भाषा, संचार भाषा
- हिंदी का अंतर्राष्ट्रीय सन्दर्भ

इकाई –2 आदिकाल

- आदिकाल : परिचय एवं विशेषता

इकाई – 3 भक्तिकाल

- भक्तिकाल : परिचय एवं विशेषता

इकाई – 4 रीतिकाल

- रीतिकाल : परिचय एवं विशेषता

इकाई – 5 आधुनिक पद्य

- आधुनिक काल के गद्य एवं पद्य परिचय एवं विशेषता

इकाई – 6 आधुनिक गद्य

- समकालीन हिंदी साहित्य के गद्य एवं पद्य परिचय एवं विशेषता

सहायक ग्रन्थ

1. धीरेन्द्र वर्मा हिंदी भाषा का विकास, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
2. विश्वनाथ त्रिपाठी हिंदी साहित्य का सरल इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. रामस्वरूप चतुर्वेदी हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, वाणी प्रकाशन दिल्ली
4. रामविलास शर्मा भाषा और समाज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. रामचन्द्र शुक्ल हिंदी साहित्य का इतिहास: काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
6. बच्चन सिंह हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास: राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
7. हजारी प्रसाद द्विवेदी हिंदी साहित्य की भूमिका: राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. हजारी प्रसाद द्विवेदी हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास: राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. हजारी प्रसाद द्विवेदी हिंदी साहित्य का आदिकाल: बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्,पटना

UHNTGE 20302 हिंदी कविता और गद्य के विविध रूप

इकाई ; 6

क्रेडिट : 6

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक 150

- **आंतरिक मूल्यांकन 60 (संगोष्ठी/शैक्षिक/आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगीं)**
- **सत्रांत परीक्षा 90**

Prerequisite Course/Knowledge

1. **हिंदी भाषा तथा विभिन्न बोलियों की प्रासंगिक आधारभूत जानकारी, हिंदी साहित्य के लेखक, हिंदी साहित्य का काल विभाजन, आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, तथा उनके प्रमुख कवि और रचनाओं आदि की जानकारी।**

Course Learning Out Come (CLOS)

2. **इस पाठ्यक्रम को सफलता पूर्वक करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा –**

CLO-1. हिंदी कविता और गद्य को स्पष्ट रूप से परिभाषित कर सकेगा।

CLO-2. हिंदी कविता और गद्य के विविध रूपों को चिह्नित कर सकेगा।

CLO-3. हिंदी कविता के विभिन्न कालखंडों को पहचान सकेगा।

CLO-4. हिंदी कविता की प्रवृत्तियों को पहचान सकेगा।

CLO-5. गद्य साहित्य के उपन्यास, कहानी, निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, जीवनी साहित्य में विभिन्न समसामायिक परिस्थियियों और संदर्भों का निरीक्षण कर सकेगा।

इकाई- 1

- **आदिकालीन कविता**
  - चंदबरदाई : जल्हन हत्थ दै चलि गज्जन नृपकाज....
  - खुसरो : बरन, अधीनतन , एक चित्त दो ध्यान....
  - विद्यापति: वसंत समय भल पावली....

इकाई- 2

- **भक्तिकालीन कविता**
  - कबीरदास : दिन भर रोजा रहत है....
  - जायसी : तीर पदमिनी आयी....
  - सूरदास : सुनो स्याम यह बात! और कोऊ क्यों समझाय कहै....

- तुलसीदास : जाऊँ कहाँ तजि चरन तुम्हारे....

इकाई– 3

- **रीतिकालीन कविता**
  - भूषण : जिमि जम्भ पर....
  - बिहारी : बतरस लालच लाल की....
  - देव : के संकोच, राधा मोहन हूगयौ सदा....

इकाई– 4

- **आधुनिक कविता**
  - भारतेंदु हरिश्चंद्र : रोवहु सब मिलिकै ,गंगा वर्णन
  - महादेवी वर्मा : नीर भरी दुःख की बदली
  - नागार्जुन : तुम्हारी यह दन्तुरित मुस्कान
  - अज्ञेय : नदी के द्वीप
  - मुक्तिबोध : पूंजीवादी समाज के प्रति
  - अरुण कमल : नए इलाके में

इकाई-5

- **हिंदी गद्य साहित्य**
  - सूरज का सातवाँ घोड़ा- धर्मवीर भारती (उपन्यास के चयनित अंश)
  - नमक का दारोगा- प्रेमचंद (कहानी)
  - अंधेर नगरी- भारतेंदु हरिश्चंद्र (नाटक)

इकाई- 6

- **हिंदी गद्येतर साहित्य**
  - शिकायत मुझे भी है- हरिशंकर परिसाई (निबंध)
  - क्या गोरी क्या साँवरी- देवेंद्र सत्यार्थी (रेखाचित्र)
  - पथ के साथी- महादेवी वर्मा (संस्मरण)
  - कलम का सिपाही- अमृतराय (जीवनी)

सहायक ग्रन्थ

1. रामचंद्र शुक्ल – हिंदी साहित्य का इतिहास
2. रामस्वरूप चतुर्वेदी – हिंदी साहित्य संवेदना का विकास
3. बच्चन सिंह – हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास

UHNTGE 30303 हिंदी गद्य के विविध रूप

इकाई : 6

क्रेडिट : 6

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक 150

- **आंतरिक मूल्यांकन 60 (संगोष्ठी/शैक्षिक/आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगीं।)**
- **सत्रांत परीक्षा 90**

Prerequisite Course/Knowledge

1. **हिंदी साहित्य के गद्य के विविध रूपों की आधारभूत जानकारी, गद्य की विविध विधाओं के प्रतिनिधि लेखक और उनकी रचनाओं आदि की जानकारी।**

Course Learning Out Come (CLOS)

2. **इस पाठ्यक्रम को सफलता पूर्वक करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा–**

CLO-1. हिंदी साहित्य की गद्य विधाओं को स्पष्ट रूप से परिभाषित कर सकेगा।

CLO-2. हिंदी साहित्य के गद्य लेखन की परम्परा को चिह्नित कर सकेगा।

CLO-3. हिंदी साहित्य के गद्य के अंतर्गत कहानी, उपन्यास, नाटक, आत्मकथा और गद्येतर साहित्य के कालखंडो को विवेचित कर सकेगा।

CLO-4. हिंदी साहित्य के गद्य की विविध विधाओं की प्रवृत्तियों को पहचान सकेगा।

CLO-5. गद्य साहित्य में तत्कालीन समसामयिक परिस्थितियों और संदर्भों का निरूपण कर सकेगा।

इकाई –1

- कहानी
  - कहानी का उद्भव और विकास .
  - ठाकुर का कुआँ– प्रेमचंद
  - सिक्का बदल गया –कृष्णा सोबती
  - सपना –ओमप्रकाश वाल्मीकि

इकाई -2

- उपन्यास
  - हिंदी उपन्यास विधा का परिचय

- ग़बन – प्रेमचंद (चयनित अंश)

इकाई – 3

➢ नाटक

- हिंदी नाटक का उद्भव एवं विकास
- कबीरा खड़ा बाजार में – भीष्म साहनी (चयनित अंश)

इकाई -4

➢ आत्मकथा

- आत्मकथा का उद्भव और विकास
- जीवनी का उद्भव और विकास
- एक कहानी यह भी– मन्नू भंडारी (आत्मकथा चयनित अंश)
- आवारा मसीहा- (जीवनी) विष्णु प्रभाकर

इकाई-5

➢ कथेतर

- संस्मरण
- रेखाचित्र
- यात्रा वृत्तांत
- निबंध
- व्यंग्य
- रिपोतार्ज

इकाई-6

➢ लेखकों का सामान्य जीवन परिचय

- प्रेमचंद, कृष्णा सोबती, भीष्म साहनी, विष्णु प्रभाकर, रामवृक्ष बेनीपुरी, ओमप्रकाश वाल्मीकि, मन्नू भंडारी

सहायक ग्रन्थ

1. विष्णु प्रभाकर आवारा मसीहा
2. मन्नू भंडारी एक कहानी यह भी
3. प्रेमचंद गबन
4. भीष्म साहनी कबीरा खड़ा बाजार में
5. डॉ. सुकुमार भंडारे हिंदी कहानी आदि से आज तक, अमन प्रकाशन, कानपुर

कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय

5thBOS(2021) यू.जी. लैंग्वेज (हिंदी भाषा) 2021-2022 से प्रभावी

SL.NO	Title of the Paper	Total Credit
	प्रथम सत्र	
1	UHNTAE10101	2
	द्वितीय सत्र	
2	UHNTAE20102	2
	TOTAL	4
3	**BTHIN1.1 बी टेक IIIrd Sem**	2

UHNTAE10101 यू. जी प्रथम सत्र (पाठ्यक्रम)

इकाई ; 2

क्रेडिट : 2

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक 50

- **आंतरिक मूल्यांकन 20 (संगोष्ठी/शैक्षिक/आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगीं)**
- **सत्रांत परीक्षा 30**

Prerequisite Course/Knowledge

1. **हिंदी भाषा और साहित्य की आधारभूत जानकारी, हिंदी की भाषा, बोली, मध्यकालीन काव्य के प्रतिनिधि कवि, उनकी रचनाएँ, निबंध विधा का परिचय तथा प्रमुख निबंधकार और उनकी रचनाओं की जानकारी।**

Course Learning Out Come (CLOS)

2. **इस पाठ्यक्रम को सफलता पूर्वक करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा–**

CLO-1. हिंदी भाषा की मध्यकालीन चयनित रचनाओं, चयनित कहानियों, निबंध को स्पष्ट रूप से परिभाषित कर सकेगा।

CLO-2. हिंदी भाषा, बोली, लिपि, व्याकरण और पत्राचार को स्पष्ट रूप से चिह्नित करेगा।

CLO-3. हिंदी भाषा के अंतर्गत मध्यकालीन काव्य धाराओं को विवेचित करेगा।

CLO-4. मध्यकालीन काव्य की प्रवृत्तियों को पहचान सकेगा।

CLO-5. हिंदी भाषा के साहित्य की सामयिक, साहित्यिक, धार्मिक, दार्शनिक, राजनीतिक परिस्थितियों और संदर्भों का निरीक्षण कर सकेगा।

इकाई–1

- **हिंदी भाषा**- राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्कभाषा, हिंदी के बोली वर्ग, हिंदी की बोलियाँ (सामान्य परिचय)
  देवानागरी लिपि और अंक
- **हिंदी कहानी का उद्भव और विकस** (संक्षिप्त परिचय)
  कहानियाँ :- ईदगाह, मधुवा, वापसी, मिठाईवाला
  लेखक परिचय :- प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद, उषा प्रियंवदा, भगवतीप्रसाद वाजपेयी
- **मध्यकालीन हिंदी काव्य** (सामान्य परिचय)
  अध्ययन हेतु कवि
- कबीरदास

- गुरू गोविंद दोहु खड़े .....
- निंदक नियरे राखिए .....
- जाति न पूछो साधु की .....
- पोथी पढ़ी-पढ़ी जग मुआ.....

➢ सूरदास

- मैया मै नहि माखन खायौ .....
- निर्गुण कौन देश को वासी .....

➢ तुलसीदास

- गाइए गणपति जगबंदन .....
- बावरो रावेरा नाह भवानी .....

➢ मीराबाई

- मेरे तो गिरधर गोपाल .....
- हरि .....तुम हरो जन की पीर!

➢ कवियों का परिचय- कबीर, सूर, तुलसी, मीरा

इकाई– 2

निबंध विधा का सामान्य परिचय :

➢ अध्ययन हेतु निबंध- मुझे मेरे मित्र से बचाओ- पद्मसिंह शर्मा

- निबंधकार– पद्मसिंह शर्मा
- हिंदी व्याकरण: शब्द लिंग, वचन, कारक, प्रत्यय, उपसर्ग

➢ पत्राचार, निजीपत्र, सरकारी पत्र

- पारिभाषिक शब्दावली (पच्चीस शब्द)
- निबंध लेखन

सहायक ग्रन्थ

1. डॉ. श्याम सुन्दर दास कबीर ग्रंथावली, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. शोभा माथुर महाकवि सूरदास, पेंगुइन बुक्स इंडिया
3. परशुराम चतुर्वेदी मीराबाई की पदावली, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
4. सं. सुदर्शन चोपड़ा तुलसीदास परिचय और रचनाएँ, हिंदी पाकेट बुक्स
5. मधुरेश हिंदी कहानी उद्भव और विकास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

UHNTAE20102 यु.जी.द्वितीय सत्र

विषय : हिंदी भाषा

इकाई ; 2

क्रेडिट : 2

अंक विभाजन तथा मूल्यांकन

कुल अंक 50

- **आंतरिक मूल्यांकन 20 (संगोष्ठी/शैक्षिक/आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगीं)**
- **सत्रांत परीक्षा 30**

Prerequisite Course/Knowledge

1. **हिंदी भाषा और साहित्य की आधारभूत जानकारी, हिंदी भाषा, साहित्य का अनुवाद, आधुनिक कविता का विकास तथा अन्य गद्य विधा, प्रमुख कवि उनकी रचनाएँ, एकांकीकार उनकी रचनाओं की जानकारी।**

Course Learning Out Come (CLOS)

2. **इस पाठ्यक्रम को सफलता पूर्वक करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा –**

CLO-1. आधुनिक कविताओं को स्पष्ट रूप से परिभाषित कर सकेगा।

CLO-2. आधुनिक कविता लेखन परंपरा को चिह्नित करेगा।

CLO-3. एकांकी के विकासक्रम को विवेचित करेगा।

CLO-4. आधुनिक कविताओं के विचारों को पहचान सकेगा।

CLO-5. आधुनिक काव्य की तत्कालीन समसामयिक परिस्थितियों का निरीक्षण कर सकेगा।

इकाई-1

- अनुवाद क्षेत्र, सिद्धांत, परिभाषा, अर्थ, महत्त्व और प्रकार
- अनुवाद अध्ययन अंग्रेजी से हिंदी, पचास शब्द हिंदी से अंग्रेजी

इकाई-2

- आधुनिक हिंदी काव्य का विकास (संक्षिप्त परिचय)
- अध्ययन हेतु कविताएँ
    - ताज – सुमित्रानंदन पंत
    - हिमाद्रि तुंग श्रृंग से – जयशंकर प्रसाद
    - मातृभूमि – मैथिलीशरण गुप्ता

- पुष्प की अभिलाषा – माखनलाल चतुर्वेदी
- धार – अरुण कमल
- मोचीराम – धूमिल

➢ कवियों का परिचय: माखनलाल चतुर्वेदी, प्रसाद, पंत, अरूण कमल, धूमिल

इकाई -3

➢ गद्य की अन्य विधाएँ सामान्य परिचय:

➢ आत्मकथा, यात्रावृत्त, रेखाचित्र, संस्मरण, जीवनी,

➢ चीनी फेरीवाला – महादेवी वर्मा

➢ हिंदी एकांकी विधा का सामान्य परिचय

➢ अध्ययन हेतु एकांकी:

- ममता का विष –विष्णु प्रभाकर
- अंडे के छिलके - मोहन राकेश

➢ मोहन राकेश एवं विष्णु प्रभाकर – एकांकीकारों का परिचय

सहायक ग्रन्थ

1. रामचंद्र तिवारी हिंदी गद्य साहित्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन
2. भोलानाथ तिवारी अनुवाद विज्ञान, किताब घर प्रकाशन, दिल्ली
3. विश्वनाथ तिवारी आधुनिक हिंदी कविता, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

BTHIN1.1बी. टेक. तृतीय सत्र (पाठ्यक्रम)

विषय : हिंदी भाषा

इकाई : 02

क्रेडिट : 02

<u>अंक विभाजन तथा मूल्यांकन</u>

कुल अंक 50

- **आंतरिक मूल्यांकन 20 (संगोष्ठी/शैक्षिकी/आंतरिक परीक्षा के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाएगी।)**
- **सत्रांत परीक्षा 30**

Prerequisite Course/Knowledge

1. **हिंदीभाषा और साहित्य की परिचयात्मक जानकारी एवं रूचि।**

Course Learning Outcome (CLOS)

2. **इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगा -**

CLO-1. हिंदी भाषा, बोली, लिपि, व्याकरण और पत्राचार को स्पष्ट रूप से चिन्हित कर सकेगा।

CLO-2. राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा को परिभाषित कर सकेगा।

CLO-3. साहित्य के गद्य और पद्य रूपों को पहचान सकेगा।

इकाई -1

- हिंदी भाषा का परिचय एवं बोलियाँ
- हिंदी वर्णमाला और अंक
- राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा

इकाई-2

- गद्य और पद्य में भेद
- अकाल और उसके बाद – नागार्जुन
- पूस की रात – प्रेमचन्द
- कुटज –हजारी प्रसाद द्विवेदी

सहायक ग्रन्थ

1. भोलानाथ तिवारी मानक हिंदी का स्वरूप, वाणी प्रकाशन दिल्ली
2. रामचंद्र तिवारी हिंदी गद्य साहित्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन

∘00 समाप्त 00∘